आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

# चेतना मंच

आस्था एवं सूर्य उपासना के

महापर्व छठ

की

हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 307 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 26 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8


# प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में दी छठ की शुभकामनाएं

## स्वदेशी वस्तुओं की खरीद में भारी बढ़ोतरी : मोदी

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आकाशवाणी के माध्यम से अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 127वें एपिसोड में देशवासियों से संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जीएसटी बचत उत्सव, स्वदेशी उत्पादों की बढ़ती मांग, मैंग्रोव संरक्षण, और प्लास्टिक मुक्त भारत जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस बार त्योहारों के दौरान बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की खरीद में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि जीएसटी

बचत उत्सव के जरिये देश में स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना तेजी से बढ़ी है। पीएम मोदी ने बताया कि लोगों ने उनके पत्र के बाद खाद्य तेल की खपत में लगभग 10 फीसदी की कमी कर एक सराहनीय पहल दिखाई है।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित 'गार्बेज कैफे' की सराहना करते हुए कहा कि ये कैफे स्वच्छता अभियान की मिसाल हैं यहां एक किलो से अधिक प्लास्टिक देने पर भरपेट भोजन और आधा किलो देने पर नाश्ता दिया जाता है। स्वच्छता के बदले भोजन ङ्क यह नवाचार देशभर में प्रेरणा का स्रोत है।

पीएम मोदी ने देश की सुरक्षा बलों के स्वदेशी प्रशिक्षित कुत्तों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि लखनऊ में हुई ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में बीएसएफ द्वारा प्रशिक्षित 'रिया' नामक मुधोल हाउंड ने विदेशी नस्लों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह सीआरपीएफ के एक स्वदेशी कुत्ते ने छत्तीसगढ़ में 8 किलो विस्फोटक का पता लगाकर वीरता का परिचय दिया।

प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण की चर्चा करते हुए मैंग्रोव जंगलों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जैसे पहाड़ों के जंगल मिट्टी को बांधे रखते हैं, वैसे ही समुद्र तटों पर मैंग्रोव समुद्री पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हैं और सुनामी व चक्रवात जैसी आपदाओं से रक्षा करते हैं।

अंत में प्रधानमंत्री ने देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व हमारी संस्कृति, प्रकृति और समाज की गहरी एकता का प्रतीक है। यह त्यौहार सूर्य उपासना और जल संरक्षण की भावना को मजबूत करता है। इस अवसर पर पटना में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

## भाजपाइयों ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात'

**नोएडा ( चेतना मंच )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 127वें एपिसोड को आज नोएडा महानगर के कृष्णा मंडल क्षेत्र के ग्राम कनावनी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक साथ सुना।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव उपस्थित रहे। उनके साथ बूथ प्रभारी राजेश राघव, जेपी पंडित, अंकित प्रजापति, नितिन, सुनील, गोलू, मोनू, लक्की, लवी और धर्मेंद्र समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## पूजा कर लौट रहे पुजारी पर चाकू से जानलेवा हमला

**ग्रेटर नोएडा।** सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में एक पुजारी पर अज्ञात बदमाशों ने शुक्रवार देर रात चाकू से वार कर घायल कर दिया। पुजारी के शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

पीड़ित स्वजन का दावा है कि पुजारी पर रंजिशन अज्ञात बदमाश बुलाकर हमला कराने का आरोपकराया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस जांच कर रही है।

सूरजपुर कस्बे में देवेंद्र शर्मा उर्फ देवा पंडित परिवार के साथ रहते हैं। उनके पूर्वजों ने सूरजपुर कस्बे में प्राचीन बाराही मंदिर का निर्माण कराया था। जहां हर साल ऐतिहासिक बाराही मेला भी लगाता है। पीड़ित का आरोप है कि वह शुक्रवार रात 10 बजे के करीब मंदिर से पूजा-पाठ कर घर वापस लौट रहे थे। रास्ते में तीन चार अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया। उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। धारदार हथियार से पेट पर वार किया, जिससे वह घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर लोगों को एकत्र होता देख आरोपित मौके से फरार हो गए।

पीड़ित स्वजन संग पुलिसकर्मियों ने उन्हें घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। पीड़ित का दावा है कि उनपर रंजिशन हमला हुआ है। कुछ लोगों ने मंदिर के नाम पर एक समिति का गठन कर मंदिर में तोड़फोड़ की। जिसका उन्होंने विरोध किया था।

आरोप है कि हमलावर तभी से उनसे रंजिश मानते हैं। पीड़ित स्वजन का आरोप है कि 29 सितंबर को भी समिति में शामिल कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी।

## तेजस्वी का बड़ा एलान, पंचायत प्रतिनिधियों को मिलेगी पेंशन, मेहनतकश वर्ग को पांच लाख की सहायता

**पटना ( एजेंसी )।** नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कई बड़ी घोषणाएं कीं। माई-बहिन मान योजना, हर घर नौकरी, संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा जैसे वादों के बाद अब उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों और छोटे कामगारों के लिए राहतभरी घोषणाएं की हैं।

पोलो रोड स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनते ही त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों के मानदेय भत्ते को दोगुना किया जाएगा। साथ ही उन्हें पेंशन सुविधा भी दी जाएगी। तेजस्वी ने कहा कि अन्य राज्यों में यह व्यवस्था पहले से है, इसलिए अब बिहार में भी पंचायत

प्रतिनिधियों को पेंशन का लाभ मिलेगा।

उन्होंने घोषणा की कि पंचायत एवं ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों के लिए 50 लाख रुपये का बीमा कवर लागू किया जाएगा। वहीं जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के वितरकों के मानदेय में बढ़ोतरी की जाएगी और प्रति क्विंटल मिलने वाली मार्जिन मनी भी बढ़ाई जाएगी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति में 58 वर्ष की आयु सीमा को लागू किया जाएगा। साथ ही नाई, बढ़ई, कुम्हार, लोहार जैसे मेहनती वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एकमुश्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि वे अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें।

तेजस्वी यादव ने भाजपा और एनडीए पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की जनता अब बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जनता ने एनडीए को 20 साल दिए, अब हमें सिर्फ 20 महीने का वक्त चाहिए। मुझे भरोसा है कि इस बार जनता बदलाव लाएगी और महागठबंधन की सरकार बनाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार विजनलेस और खटारा हो चुकी है। अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर हैं। तेजस्वी ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद स्वीकार किया है कि बिहार में उद्योग नहीं लग सकते क्योंकि भूमि की कमी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की उपेक्षा की और सारा विकास गुजरात तक सीमित रखा। तेजस्वी ने कहा कि आज हर जाति और वर्ग के लोग महागठबंधन के साथ बदलाव के मूड में हैं।

## डीटीसी बसों से रोजाना 50 हजार नोएडावासी कर रहे सफर

**नोएडा।** शहर में डीटीसी बसों का लाभ प्रतिदिन करीब 50 हजार लोग ले रहे हैं। इनमें करीब 22 हजार महिलाएं हैं। डीटीसी (दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) की बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा की सुविधा है। नोएडा से दिल्ली और गुरुग्राम विभिन्न क्षेत्रों में अधिकांश महिलाएं नौकरी करने के लिए जातीं हैं। डीटीसी की ओर से स्थानीय स्तर पर कनेक्टिविटी बढ़ाने का प्रयास और किया जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर डीटीसी की बसें मजबूती प्रदान कर रहीं हैं। सेक्टर 16ए स्थित डीटीसी सेंटर से वर्तमान में 68 बसें संचालित हैं। जो कि नोएडा से लेकर दिल्ली, हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद तक अपनी सेवाएं प्रदान करती हैं।

डीटीसी के आकड़ों के अनुसार, जुलाई में करीब 6.26 लाख और अगस्त में 6.36 लाख पिंक पास जारी हुए। यानी दो महीनों में कुल 12.62 लाख से अधिक महिलाओं ने बसों में निशुल्क यात्रा की। खास बात यह है कि इनमें से प्रतिदिन 22 हजार महिलाएं नोएडा की हैं जो प्रतिदिन यात्रा करतीं हैं। दिल्ली सरकार के अधीन होने के चलते दिल्ली सरकार द्वारा संचालित पिंक सेवा योजना के तहत महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सुविधा देती हैं।

## अब 31 अक्टूबर तक बिल्डर ले सकेंगे छूट का लाभ

**नोएडा।** अमिताभ कांत कमिटी की सिफारिशें लागू होने के बाद मिली छूट का लाभ बिल्डर 31 अक्टूबर तक ले सकते हैं। पूर्व में यह 24 अक्टूबर तक थी। दीपावली पर छुट्टियों के चलते बैंक बंद होने से पैसा जमा नहीं हो सका। इसकी वजह से यह समयसीमा बढाई गई है। हालांकि, पूर्व में लंबा समय मिलने के बाद भी अधिकांश बिल्डरों ने पैसा जमा करने में रुचि नहीं दिखाई।

बता दें बकाये की 25 प्रतिशत राशि जमा कर घर खरीदारों की रजिस्ट्री हो सकती है। इस छूट में 57 बिल्डर परियोजनाएं आतीं हैं। इनमें से 35 बिल्डरों ने 25 प्रतिशत राशि देकर दोबारा किश्त जमा नहीं की। वहीं, 13 बिल्डरों ने आंशिक धनराशि भी जमा नहीं की।

छूट का लाभ लेने के लिए 10

बिल्डरों ने सहमति देने के बाद भी रकम जमा नहीं की। इस छूट में 5758 में से 3724 फ्लैट की रजिस्ट्री हो चुकीं हैं। प्राधिकरण को 556.73 करोड़ का राजस्व भी मिला। पैसा जमा कर छूट का लाभ लेने के लिए प्राधिकरण ने अब बिल्डरों को 31 अक्टूबर तक का समय दिया है।

## नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति शुरू, 20 दिन बाद मिली राहत

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा में पिछले करीब 20 दिनों से पानी की किल्लत झेल रहे लोगों को अब बड़ी राहत मिली है। शहर के विभिन्न सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति दोबारा शुरू हो गई है।

लंबे समय से नल सूख जाने और टैंकरों पर निर्भर रहने के बाद अब निवासियों के घरों में फिर से स्वच्छ पानी आने लगा है। आज शाम से जल प्रेशर में भी सुधार दर्ज किया गया, जिससे लोगों में खुशी की लहर है।

गंगाजल की आपूर्ति शुरू होने से विशेष रूप से छठ पर्व मनाने वाले परिवारों में उत्साह है। श्रद्धालुओं का कहना है कि अब वे परंपरा के अनुसार गंगाजल में ही अर्घ्य अर्पित कर सकेंगे।

## अनिकेत के परिवार को मिली आर्थिक सहायता

### जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह की पहल पर मुख्यमंत्री ने दी पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद

**नोएडा ( चेतना मंच )।** जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह की पहल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कस्बा रबूपुरा निवासी दिवंगत अनिकेत के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की है। शनिवार को विधायक धीरेन्द्र सिंह ने स्वयं पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर मुख्यमंत्री द्वारा प्रेषित सहायता राशि का चेक परिजनों को सौंपा और उन्हें ढांढस बंधाया।

बताया गया कि दो दिन पूर्व रबूपुरा कस्बे के रहने वाले अनिकेत की आकस्मिक मृत्यु हो गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक धीरेन्द्र सिंह सबसे पहले मौके पर पहुंचे और परिवार से मुलाकात कर मुख्यमंत्री

से दूरभाष पर बातचीत कराई।

विधायक ने बताया कि 25 अक्टूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निरीक्षण दौरे पर आए थे, तो उन्होंने इस घटना का फिर से जिक्र कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिए जाने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने तत्काल मदद स्वीकृत की। आज सुबह विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मृतक अनिकेत के पिता सतीश कुमार, माता रेखा देवी और दादा जुगला से मुलाकात कर उन्हें चेक सौंपा और भरोसा दिलाया कि मैं और प्रदेश सरकार हर समय आपके साथ खड़े हैं। इस अवसर पर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि अनिकेत के परिवार के आंसुओं की भरपाई तो नहीं हो सकती, लेकिन मुख्यमंत्री जी द्वारा दी गई यह सहायता राशि उनके जीवन यापन में कुछ राहत जरूर देगी। उन्होंने यह भी कहा कि अनिकेत की मृत्यु बेहद दुखद है। पीड़ित परिवार को पूरा न्याय मिलेगा। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी, लेकिन कोई निर्दोष व्यक्ति जेल नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं।

## सरदार पटेल की जयंती पर भाजपा की पदयात्रा 31 से 6 नवंबर तक

**नोएडा।** भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती समारोह के तहत 31 अक्टूबर से 6 नवंबर तक सरदार 150 यूनिटी मार्च सहित कई जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में सेक्टर-116 स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला प्रभारी मंत्री व उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कार्यक्रमों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि भाजपा पूरे देश में भारत के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को भव्य रूप से मना रही है। इसी क्रम में नोएडा में रन फॉर यूनिटी, पदयात्रा, निबंध, भाषण, रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिताएं, तथा युवाओं के लिए कई प्रेरणादायक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 31 अक्टूबर को शहर के विद्यालयों में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें छात्र-छात्राएं सरदार पटेल की मूर्ति पर

माल्यार्पण कर राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे।

पदयात्राओं के दौरान युवाओं को नशामुक्त भारत, वोकल फॉर लोकल, और गर्व से स्वदेशी जैसे संकल्प दिलवाए जाएंगे। साथ ही, शिक्षण संस्थानों में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर आधारित प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।

भाजपा मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत विश्वविद्यालयों में विशेष सदस्यता एवं महासंपर्क अभियान भी चलाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के आदर्श से जोड़ा जा सके।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर 152 किलोमीटर लंबी पदयात्रा भी निकाली जाएगी, जो सरदार पटेल के जन्मस्थान करमसद से लेकर स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, केवड़िया तक जाएगी।

प्रेस कॉफ्रेंस में महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, विधायक तेजपाल नागर, विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, प्रमोद गुप्ता, राकेश शर्मा, विनोद त्यागी, डिंपल आनंद, अमित त्यागी, गिरीश कोटनाला, चमन अवाना, भूपेश चौधरी, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, गौतम शर्मा, मनीष तिवारी, धर्मेंद्र गुप्ता, प्रज्ञा पाठक समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

# भीतरी द्वंद

बिहार का चुनाव समतली जमीन पर आ चुका है। विपक्ष के महागठबंधन में जो भीतरी द्वन्द्व और विरोधाभास थे, वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बाद लगभग समाप्त हो चुके हैं। कुछ सीटों पर कांग्रेस, राजद, सीपीआई (माले) और वीआईपी के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। इसे 'दोस्ताना मुकाबला' करार दिया जा रहा है। महागठबंधन के नेताओं ने इस विरोधाभास के समाधान की भी बात कही है। जिस प्रेस वार्ता में तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने, घोषित किया, उसके पोस्टर पर सिर्फ तेजस्वी का ही चित्र था। न लालू यादव-राबड़ी देवी का और न ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी का चित्र लगाया गया। लालू तो अब भी राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और राहुल-तेजस्वी ने साझा तौर पर 'वोट चोरी' के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। अब वह 'साथ' कहां गायब हो गया? बहरहाल आज 'वोट चोरी' का मुद्दा भी गायब है, क्योंकि पलायन और रोजगार सबसे संवेदनशील चुनावी मुद्दे के तौर पर उभरे हैं। तेजस्वी ने 'हर घर, एक सरकारी नौकरी' का जो मुद्दा जनता के सामने पेश किया है, उसका असर बिहार में स्पष्ट रूप से देखा-महसूसा जा सकता है। हालांकि बिहार के 2.76 करोड़ घर-परिवारों में से 2.5 करोड़ घरों को भी सरकारी नौकरी मुहैया कराने पर करीब 9 लाख करोड़ रुपए सालाना चाहिए। बिहार का बजट ही 3.17 लाख करोड़ रुपए का है और उस पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। पूंजी कहां से आएगी, यह बहस सत्तारूढ़ और विपक्ष के राजनीतिक दलों के दरमियान तो जारी है, टीवी चैनलों पर भी यह बहस सुनी जाती रही है, लेकिन यह जनता का विश्लेषण और उसकी चिंता नहीं है। जनता मान रही है कि जिसकी सरकार बनेगी, पूंजी का बंदोबस्त भी वही करेगी। कांग्रेस ने भी 'पलायन रोको, नौकरी दो' का नारा देकर तेजस्वी के कार्यक्रम का समर्थन किया है। रोजगार से ही पलायन का मुद्दा जुड़ा है। चुनाव आयोग के मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के अतिरिक्त विशेषज्ञों के आकलन हैं कि करीब 50 लाख बिहारी देश के विभिन्न हिस्सों में नौकरी या मजदूरी अथवा रिक्शा चालन का काम करते हैं और बिहार में मौजूद परिवार का पेट पालते हैं। अधिकांश ये प्रवासी बिहारी असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं, लिहाजा यह तय नहीं है कि कितने लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ही बिहार लौटेंगे? मतदान और छठ में कई दिनों का फासला है। निजी दुकानदारियों पर काम करने वाले इतने दिन तक बिहार में कैसे रह सकते हैं? उनके मालिक ही अनुमति नहीं देंगे। कइयों को मतदाता सूचियों से ही बाहर कर दिया गया है। कोई भी दल इन प्रवासी मतदाताओं को बिहार तक लिवाने में व्यापक तौर पर उत्सुक, इच्छुक नहीं है। बेशक मताधिकार देश के औसत वयस्क नागरिक का संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसे संस्थानात्मक रूप नहीं दिया गया है। पलायन और प्रवासी बिहारियों को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा-जनता दल-यू और राजद, कांग्रेस, वामपंथी आदि चिंतित जरूर हैं, क्योंकि वे किसे वोट देंगे, यह निश्चित नहीं है। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने, प्रधानमंत्री मोदी की भरपूर मदद से, रोजगार-नौकरी की एक परियोजना घोषित की है कि यदि सरकार बनी, तो वे अगले 5 साल के दौरान 1 करोड़ रोजगार/नौकरी मुहैया कराएंगे। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ऐसा कोई विभाग, कर्मचारी, समुदाय, आंगनबाड़ी आदि नहीं छोड़ा है, जिसके आर्थिक संसाधनों की बढ़ोतरी न की हो। लेकिन सत्तारूढ़ पक्ष के लिए फिलहाल यह निश्चित नहीं है कि चुनाव के बाद नीतीश ही मुख्यमंत्री बनेंगे!

# रामचरित मानस

**पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि आपका न आदि है, न मध्य है और न अंत है। आपके असीम प्रभाव को वेद भी नहीं जानते। आप संसार को उत्पन्न, पालन और नाश करने वाली हैं। विश्व को मोहित करने वाली और स्वतंत्र रूप से विहार करने वाली हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**दो0-पतिदेवता सुतीय महुँ मातु प्रथम तव रेख।**
**महिमा अमित न सकहिं कहि सहस सारदा सेष॥**

पति को इष्टदेव मानने वाली श्रेष्ठ नारियों में हे माता! आपकी प्रथम गणना है। आपकी अपार महिमा को हजारों सरस्वती और शेषजी भी नहीं कह सकते॥

**सेवत तोहि सुलभ फल चारी। बरदायनी पुरारि पिआरी॥**
**देबि पूजि पद कमल तुम्हारे। सुर नर मुनि सब होहिं सुखारे॥**

हे (भक्तों को मुँहमाँगा) वर देने वाली! हे त्रिपुर के शत्रु शिवजी की प्रिय पत्नी! आपकी सेवा करने से चारों फल सुलभ हो जाते हैं। हे देवी! आपके चरण कमलों की पूजा करके देवता, मनुष्य और मुनि सभी सुखी हो जाते हैं॥

**मोर मनोरथु जानहु नीकें। बसहु सदा उर पुर सबही कें॥**
**कीन्हेउँ प्रगट न कारन तेहीं। अस कहि चरन गहे बैदेहीं॥**

मेरे मनोरथ को आप भलीभाँति जानती हैं, क्योंकि आप सदा सबके हृदय रूपी नगरी में निवास करती हैं। इसी कारण मैंने उसको प्रकट नहीं किया। ऐसा कहकर जानकीजी ने उनके चरण पकड़ लिए॥

**(क्रमशः..)**

# बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं।

***क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है।***

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने 'नौकरी, विकास और सम्मान' जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ 'लालू के पुत्र' नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका 'जनादेश' अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है।

एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक 'सुशासन बाबू' की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा, तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे, तो जनता का भरोसा खिसक सकता है।

तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना बिहार की राजनीति में एक जनसांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह निर्णय दिखाता है कि अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र युवा आकांक्षाओं, आर्थिक अवसरों और विकास की बराबरी की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस का झुकना केवल राजनीतिक गणित नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि अब बिहार में नई पीढ़ी के नेतृत्व से ही राजनीतिक भविष्य तय होगा। तेजस्वी यादव का उदय केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बदलते समय की पुकार है। बिहार की जनता लंबे समय से ठहरे हुए शासन और खोखले वादों से थक चुकी है। अब वह ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो न केवल सत्ता चाहता हो, बल्कि संवेदना और संघर्ष का प्रतीक भी बने। कांग्रेस ने भले ही देर से यह निर्णय लिया हो, पर यदि महागठबंधन इस घोषणा को एकजुट रणनीति में बदल सके, तो यह बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है, जहाँ देर आए, पर दुरुस्त आए केवल कहावत नहीं, बल्कि राजनीतिक सच्चाई बन जाए।

तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह स्पष्ट किया है कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआइपी से भी कम है। निःसंदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है। महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। महागठबंधन की राजनीति चुनाव होने एवं चुनाव परिणाम के बाद भी कई रंग बदलेगी, इसलिये उसकी डगर निष्कंटक तो नहीं कही जा सकती। महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है, यह भी प्रश्न तेरता रहेगा। फिलहाल तेजस्वी के मुख्यमंत्री का फैसला महागठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है क्योंकि इससे उनकी एकजुटता का संदेश पूरे बिहार में जाएगा।

**- ललित गर्ग** लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# आधा घंटा बारिश (व्यंग्य)

बरसात में जो बारिश होती है वह होनी होती है। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार बरसात का मौसम संपन्न हो चुका हो, गुलाबी कही जाने वाली ठंड आ रही हो और अचानक आधा घंटा बारिश हो जाए तो ऐसा लगता है किसी

प्रसिद्ध व्यक्ति ने रैली में आकर हाथ हिला दिया और जनता में भगदड़ मच गई।

ऐसा माना जाता है कि प्रशासन कभी ध्वस्त नहीं होता क्यूंकि बहुत शक्तिशाली होता है। उसकी काफी शक्तियां तो प्रयोग ही नहीं की जाती, केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई मदद की तरह जो आम तौर पर पूरी प्रयोग नहीं होती। कुछ अखबार वाले भी इस बात को समझते हुए कि प्रशासन ने हमेशा उनके काम आना है और उन्होंने प्रशासन के, समझदारी भरी खबर लगाते हैं कि ड्रेनेज सिस्टम ध्वस्त हो गया। ऐसे में नेताजी भी जरूर समझाते हैं कि वाहनों और राहगीरों को ऐसे मौसम में घर से नहीं निकलना चाहिए।

**ऐसा माना जाता है कि प्रशासन कभी ध्वस्त नहीं होता क्यूंकि बहुत शक्तिशाली होता है। उसकी काफी शक्तियां तो प्रयोग ही नहीं की जाती, केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई मदद की तरह जो आम तौर पर पूरी प्रयोग नहीं होती।**

तेज बारिश आने से पहले, आसमान के किसी हिस्से से पानी से लबालब बादल आ गए। दिन में ही घनघोर अन्धेरा छा गया लगा शाम, रात में बदल रही है। बारिश होने के दौरान बादल भी गरजे ताकि क्षेत्र में डर का आभास हो। आने जाने वाली गाड़ियों को लाईट जलानी पड़ी। कुछ संवेदनशील लोगों ने जिम्मेदारी से वीडियो निर्माण किया। फेसबुक यूटयूब वगैरा पर अपलोड कर दी ताकि दुनिया को पता चल जाए कि बारिश ने उनके घर के आस पास कितना पानी बरसाया है।

आधा घंटा बारिश के कारण, नगर निगम के आपदा कंट्रोल रूम में शिकायतें दर्ज होनी शुरू हो गई। सरकार की अधिकृत सूचना के मुताबिक तो बरसात खत्म हो चुकी थी इसलिए पानी निकासी टीम भी भंग हो गई थी। साईट पर जिन नौसिखियों को भेजा गया वे रास्ते में सोच रहे थे कि बारिश न होती तो कितना अच्छा होता। सुबह से तो धूप खिली रही, तापमान बढ़ गया था, गर्मी लग रही थी लेकिन सिर्फ आधा घंटा बारिश हुई और सब पानी पानी कर दिया।

अब बारिश की संभावना को बुरी बारिश की आशंका माना जाने लगा है। कमबख्त आधा घंटा बारिश ने नालियों का गला घोंट दिया। कबाड़ तो पहले ही उनके किनारे समझदार, पर्यावरण प्रेमी नागरिकों ने सजाया हुआ था। एक पुराना वृक्ष जो पहले से गिरने की कगार पर था सड़क के बीच गिर गया। नियम और अनुशासन में बंधी म्युनिसिपल कमेटी उसे काट नहीं पा रही थी। पेड़ गिर जाने के कारण यातायात रुक गया लेकिन कुछ बहादुर लोग अपने दोपहिया वाहन पेड़ की शाखाओं के नीचे से घसीट कर निकालते रहे। सड़क पर बरसात के मौसम में हुए गड्ढे और गहरे हो गए। वे तो पहले ही मरम्मत मांग रहे थे। खर्चे का बढ़िया अंदाजा लगा लिया गया था लेकिन स्वीकृति बाकी थी। अब उतने पैसों में काम पूरा नहीं हो पाएगा दोबारा बढ़िया अंदाजा लगाना पडेगा। ठेकेदार की खुशी में इजाफा हो गया।

आधा घंटा बारिश ने निवासियों को एक बार फिर से पर्यावरण के बारे जगाने की कोशिश की लेकिन किसी ने इस बात का बुरा नहीं माना।

**- संतोष उत्सुक**

# राशिफल

**कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, पंचमी** — **(विक्रम संवत् 2082)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जीवन में उन वस्तुओं की उपलब्धता रहेगी जिसकी जरूरत होगी।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। सिरदर्द, नेत्र पीड़ा स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
आय के नए सोर्स बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। प्रेम-संतान व व्यापार बहुत अच्छा।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
सरकारी तंत्र से लाभ होगा। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। प्रेम, संतान अच्छा है।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
भाग्यवश काम बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा है।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य प्रभावित।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ा मध्यम।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बनेगा। गृहकलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य अच्छा।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम व व्यापार अच्छा है।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व संतान सबकुछ बहुत अच्छा।

## ग्रैप टू को लेकर ग्रेनो प्राधिकरण ने नौ टीमों को सक्रिय किया

**ग्रेटर नोएडा।** हवा की गुणवत्ता का स्तर खराब होने पर ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) टू लागू कर दिया गया है। इसकी पाबंदियों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने नौ टीमें गठित की हैं। टीमों ने शुक्रवार से काम करना शुरू कर दिया। निर्माणाधीन साइट का निरीक्षण किया जा रहा है। वहीं, सड़कों पर भी पानी का छिड़काव शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण क्षेत्र को कुल आठ वर्क सर्किल में बांटा गया है। इस समय ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में सबसे ज्यादा निर्माण कार्य चल रहे हैं। दीवाली के बाद प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है।

इसको देखते हुए ग्रैप टू लागू हो चुका है। इसको लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्क सर्किल में एक टीम सहित कुल नौ टीमें गठित की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग को भी शामिल किया गया है। निर्माणाधीन साइट सहित सभी संवेदनशील स्थानों पर जाकर देखा जा रहा है कि प्रदूषण न फैले। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सभी वर्क सर्किल के प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कहीं भी ग्रेप टू की पाबंदियों का उल्लंघन न हो। सड़कों पर पानी का छिड़काव पिछले कई दिनों से किया जा रहा है। कूड़ा जलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

## छठ पूजा के दौरान घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे

**नोएडा।** नोएडा जोन 17 घाटों समेत जिले के 40 से अधिक स्थानों पर छठ पूजा होगी। इसके लिए पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यमुना नदी के घाट पर गोताखोर व एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की जाएगी। ड्रोन की मदद से भी संदिग्धों पर नजर रखी जाएगी। गौतमबुद्ध नगर के तीनों जोन में छठ पर्व सकुशल संपन्न कराने को लेकर नोएडा जोन के अधिकारियों ने शुक्रवार को आयोजकों के साथ बैठक की। उन्हें सबकुछ नियमों के अनुसार ही करने को कहा गया है। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि सबसे ज्यादा भीड़ कालिंदीकुंज घाट पर होगी।

यहां पूजा के लिए करीब एक लाख लोग एकत्र होंगे। घाटों पर 500 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। सादे कपड़े में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। सभी घाटों पर महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया जाएगा। तीनों जोन में पूरी रात पुलिसकर्मी घाटों के पास सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। इसके साथ ही रात भर गश्त भी होती रहेगी। पुलिस अधिकारी लगातार छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं। उनके द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सभी स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया जाना सुनिश्चित किया गया है। सभी पीआरवी व पीसीआर वाहनों को लगातार गश्त करते रहने का निर्देश दिया गया है। पुलिस विभाग की ओर से लोगों से अपील की गई है वे गहने पानी में न जाएं। अगर कुछ भी अप्रिय लगता है तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। बीते साल पूजा के दौरान कई लोगों के मोबाइल भी चोरी हुए थे। ऐसे में इसबार सादे कपड़े में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

## मुठभेड़ के बाद गाजियाबाद पुलिस ने 3 पशु तस्करों को दबोचा

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद पुलिस का पशु तस्करों के खिलाफ बड़ा ऐक्शन सामने आया है। गाजियाबाद पुलिस ने शहजादपुर डिड़ौली मार्ग पर मुठभेड़ के बाद तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से एक पशु तस्कर घायल भी हुआ है। पकड़े गए पशु तस्करों ने 10 दिन पहले गांव जलालाबाद में एक दर्जन पशुओं का वध किया था। पुलिस ने बदमाशों के पास एक जिंदा पशु,तमंचा और अन्य सामान बरामद किया है। एसीपी मसूरी सर्किल लिपि नगायच ने बताया कि शनिवार रात को पुलिस को सूचना मिली कि गंगनहर पटरी स्थित रेगूलेटर से छह सात पशु तस्कर एक पशु को वध करने शहजादपुर मार्ग पर ले गए है। इसके बाद पुलिस ने चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। पुलिस शहजादपुर डिड़ौली मार्ग पर पहुंची तो एक गन्ने की खेत में हलचल दिखी।

**दैनिक चेतना मंच**
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी ( मेंहदीपुर ) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर ( यू पी. ) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

# पुलिस की गाड़ी की ड्राइविंग सीट पर बच्चे के बैठने का वीडियो वायरल

**नोएडा ( चेतना मंच )।** सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर दस सेकेंड का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें पुलिस की गाड़ी की ड्राइविंग सीट पर आठ से दस साल का एक बच्चा बैठा हुआ है। गाड़ी के बाहर वाले शीशे को देखकर एक युवती अपना चेहरा साफ कर रही है। वीडियो में नोएडा पुलिस के अधिकारियों को टैग कर यूजर ने लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। वीडियो फेज वन थानाक्षेत्र स्थित किसी जगह का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में यूपी पुलिस लिखी गाड़ी का नंबर भी दिख रहा है, जो यूपी 16 से संबंधित है।

वाहन के चालक वाली सीट पर बैठा बच्चा गुल्लू कंट्रोल रूम बोल रहा है। अंगुली से वह इशारा भी कर रहा है। वीडियो दिन का है। वायरल वीडियो में पुलिस के वाहन के आसपास से लोग गुजरते हुए भी दिख रहे हैं। वाहन सड़क के किनारे खड़ा है। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि वीडियो का संज्ञान ले लिया गया है। वीडियो कहां का है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। बच्चे वाहन के चालक वाली सीट तक कैसे पहुंच गए, इसका भी पता लगाया जा रहा है। जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी उसपर कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोग वीडियो को दो महीने पुराना बता रहे हैं। वीडियो देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बच्चा वीडियो बनवाने के लिए ही चालक की सीट पर जाकर बैठा है। जिसने वीडियो बनाई है वह बच्चे का जानने वाला लग रहा है।

## पागल कुत्ते ने चार लोगों को काटा

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** खेरली भाव गांव में बुधवार को पागल कुत्ते ने चार लोगों को काट लिया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा है। कन्नौज के रहने वाले सतेंद्र यादव खेरली भाव गांव में किराये के मकान में रहते हैं। वह बुधवार को सब्जी खरीदने दुकान पर जा रहे थे। इसी दौरान कुत्ते ने हमला कर घायल कर दिया। कुत्ते ने पांच वर्षीय स्कूली बच्चे नायरा और छह वर्षीय रहनुमा पर भी हमला कर घायल कर दिया। सभी घायल इलाज कराने के लिए दनकौर कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। गांव के रहने वाले सरफुद्दीन बुधवार को अपने खेत पर जा रहे थे। रास्ते में पागल कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने उनके शरीर पर कई जगह काटा। घायल को परिजन ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल लेकर गए। हालत गंभीर होने पर उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। पागल कुत्ते ने नंद किशोर को भी काट लिया। कुत्ते के हमले से घायल पीड़ितों ने दनकौर के सरकारी अस्पताल में टीके लगवाए। गांव में पागल कुत्ते का इस कदर आतंक है कि लोग अपने बच्चों को शाम के बाद घर से निकलने नहीं दे रहे। गांव के बड़े बुजुर्ग गई हाथ में लाठी डंडा लेकर चल रहे हैं। गांव के लोगों ने का जिक्र और प्रशासन से आवारा कुत्ते को पकड़ का गांव से बाहर भिजवाने की मांग की है।

### पूर्वोत्तर रेलवे
**ई-टेंडरिंग निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक(विद्युत/सामान्य) पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "एकल" निविदायें आमंत्रित करते है।

**क्रम सं 1:**-निविदा सूचना संख्या: **ई-निविदा-एल-30-25-26,** कार्य का नाम: वाराणसी मंडल के अंतर्गत पावर कारों में लगे कॉटन ग्रीव्स निर्मित डी.ए. जनरेटर सेटों, डीजल इंजन, विभिन्न निर्माताओ के अल्टरनेटर सहित पावर कार के अन्य उपकरणों का A-चेक, B-चेक एवं C-चेक का व्यापक वार्षिक अनुरक्षण एवं पावर कार LSLRD के ऑनबोर्ड एस्कॉटिंग कार्य के निष्पादन हेतु 2 वर्षो की अवधि के लिए वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। अनुमानित लागत: ₹ 62319247.16, अमानत राशि: ₹ 461600.00 कार्य समापन का समय: 24 माह। निविदा समापन की तिथि एवं समय: 14.11.2025, 15:00 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 14.11.2025, 15:00 बजे।

उपरोक्त ई-निविदा कार्यो के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर जाये।

**वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य**
मुजाधि/विद्युत-167 **वाराणसी**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

### पूर्वोत्तर रेलवे
**ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/समाडि/को0, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु बिड सिस्टम आधारित खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: निविदा सूचना संख्या – 11-2025-CW "शिफ्टिंग ऑफ इलेक्ट्रो न्यूमेटिक प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम (इपीपीएफएस) सिलिंडर (इनक्लूडिंग न्यूमेटिक एंड इलेक्ट्रिक कनेक्शन ईटीसी) फ्राम अंडरस्लंग टू ऑनबोर्ड इन एलएचबी कोचेज ऐट गोरखपुर कोचिंग डिपोज, ऐशबाग कोचिंग डिपो एण्ड गोमतीनगर कोचिंग डिपो इन ए पीरियड ऑफ 12 मन्थस' **अनुमानित लागत (रु. में)** : 48,53,688.00/- **अग्रिम धन (रु.में):** 97,100.00/- निविदा की अवधि: 12 माह। ●ई-निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 19.11.2025, 15:00 बजे तक एवं यह ई-निविदा दिनांक 19.11.2025 को 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। ●इस ई-निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्ते, पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। ●निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मुजाधि/यांत्रिक-84 **वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजी. समाडि/को0 लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

### पूर्वोत्तर रेलवे — नीलामी सूचना सं 14/2025-26
**माह नवम्बर – 2025 का ई-नीलामी कार्यक्रम**

सभी संभावित क्रेताओं को आनलाइन पब्लिक आक्शन के द्वारा रद्दी सामाग्रियो के विक्री में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जाता है।

| ई-नीलामी तिथियाँ | अधीनस्थ लॉट | संपर्क फोन नं |
|---|---|---|
| 06, 12 & 25 नवम्बर - 2025 | उपमुसाप्र/डिपो/गोरखपुर | 0551-2283558 |
| 04, 14 & 26 नवम्बर - 2025 | उपमुसाप्र/डिपो/इज्ज़तनगर | 0581-2518138 |
| 13, 21 & 28 नवम्बर - 2025 | वमंसाप्र/लखनऊ | 0522-2233113 |
| 07, 18 & 27 नवम्बर - 2025 | वमंसाप्र/वाराणसी | 0542-2224819 |
| 10, 17 & 27 नवम्बर - 2025 | वमंसाप्र/इज्ज़तनगर | 0581-2518104 |

**सामग्री का प्रकार:** स्क्रैप रेल, कास्ट आयरन, मेलिटिंग, एम0एस0, निराकृत वैगन, कोच एवं लोकोमोटिव, टर्निंग, बोरिंग, फेरस, नॉन-फेरस, कापर, एल्युमीनियम, बैटरीज आदि। नीलामी प्रक्रिया उसी दिन पूर्ण नहीं होने पर नीलामी प्रक्रिया दूसरे अगले दिन भी जारी रहेगी। नीलामी कैटलाग, प्रक्रिया एवं बिक्री शर्ते **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। यह सूचना पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in** पर भी देखा जा सकता है।

मुजाधि/एस-54 **प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक/गोरखपुर**

"ट्रैनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

### उत्तर मध्य रेलवे
**निविदा सूचना संख्या : ELG-33-O10-2025-26** **दिनांक : 23.10.2025**

**ई-निविदा सूचना**

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (**E-Tendering**) द्वारा खुली निविदा आमन्त्रित की जाती है।

**टेन्डर संख्या:** ELG-33-O10-2025-26, **कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि: (ए)** मथुरा जंक्शन पर तीसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन और सड़क चौड़ीकरण के प्रावधान के संबंध में विद्युतीकरण कार्य। **(बी)** मथुरा स्टेशन पर तीसरे प्रवेश द्वार पर सर्कुलेटिंग एरिया के प्रावधान के लिए विद्युतीकरण कार्य।

**कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,01,83,212.62 | **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 09 माह

पूरी जानकारी एवं टेन्डर में भाग लेने हेतु Indian Railways Website www.ireps.gov.in देखें। टेंडर्स केवल बेव पोर्टल Indian Railways website www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे तक दिनांक **17.11.2025** तक टेन्डर डाल सकते है। **1978/25 (MG)**

North central railways | @ CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

### उत्तर मध्य रेलवे
**टेण्डर संख्या - 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/585** **दिनांक: 23.10.2025**

**ई-निविदा सूचना**

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/30म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

**निविदा सं0** : 230-क0वि0-कार्य ठेका-976-2025

**कार्य का विवरण** : प्रयागराज मंडल के GZB-JJK सेक्शन के बीच 10 केवीए, 25 केवीए, 50 केवीए, और 100 केवीए रेटिंग के 25 केवी/230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज सिंगल फेज सहायक ट्रांसफार्मर (एटी) की ओवरहालिंग का कार्य (2 वर्ष की अवधि के लिए)।

| **अनुमानित लागत** : रू0 93,37,614.78 | **बिड सुरक्षा राशि** : रू0. 1,86,800.00 |
|---|---|
| **कार्य अवधि** : 24 महीना | **बोली प्रणाली** : एक पैकेट |

**निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय** : 14.11.2025, 14.00 बजे

**निविदा खुलने की तिथि तथा समय** : 14.11.2025, 15:00 बजे

**नोट:-** 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1975/25(AS)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @ CPRONCR

## पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 26.10.2025 एवं 27.10.2025 को पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

**दिनांक 26.10.2025 (रविवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची**

| विशेष गाड़ी सं. | स्टेशन से | प्रस्थान समय | स्टेशन तक | आगमन समय | स्थान | ठहराव |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 02254 | नई दिल्ली (वंदे भारत) | 08:35 | पटना जं. | 21:30 | वाता. कुर्सीयान, एग्ज. कुर्सीयान | अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर और आरा |
| 04450 | नई दिल्ली | 15:10 | दरभंगा | 16:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं. |
| 04454 | नई दिल्ली | 20:00 | मानसी | 23:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय एवं खगड़िया जं. |
| 04456 | नई दिल्ली | 22:40 | धनबाद | 02:20 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो |
| 04458 | आनन्द विहार (ट.) | 13:40 | भागलपुर | 14:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुल्तानगंज |
| 04016 | आनन्द विहार (ट.) | 15:30 | सीतामढ़ी | 15:00 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया |
| 04452 | नई दिल्ली | 18:15 | हावड़ा जं. | 23:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंदेल जं., |
| 04094 | हजरत निजामुद्दीन | 11:00 | पटना जं. | 05:00 | प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. | गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर |
| 04096 | आनन्द विहार (ट.) | 00:05 | पाटलिपुत्र | 21:30 | प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा |
| 04098 | नई दिल्ली | 09:30 | हसनपुर रोड | 12:00 | 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य | गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं. |
| 02878 | आनन्द विहार (ट.) | 04:00 | रांची | 05:00 | 3 टियर वाता. इकोनॉमी | गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, नबीनगर रोड, जपला, गढ़वा रोड जं., डाल्टनगंज, लातेहार, तोरी, बरका काना एवं मुरी |
| 04090 | आनन्द विहार (ट.) | 14:25 | पटना जं. | 11:00 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र |
| 02392 | आनन्द विहार (ट.) | 23:20 | पटना जं. | 17:20 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा. | कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर |
| 02418 | दिल्ली जं. | 09:30 | प्रयागराज जं. | 19:40 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य | अलीगढ जंक्शन, टुंडला जंक्शन, इटावा, गोविंदपुरी एवं फ़तेहपुर |
| 05220 | आनन्द विहार (ट.) | 12:00 | मुजफ्फरपुर जं. | 09:45 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा. | गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर एवं हाजीपुर |
| 03698 | दिल्ली जं. | 08:55 | गया | 00:30 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | गोविंदपुरी, प्रयागराज, दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड |
| 05580 | आनन्द विहार (ट.) | 05:15 | पूर्णिया कोर्ट | 13:45 | 3 टियर वाता. | गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, शिशो हॉल्ट, सकरी जं., झंझारपुर जं., घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल, गढ़ बरुआरी, सहरसा जं., दौरम मधेपुरा, मुरलीगंज एवं बनमनखी जं. |
| 05284 | आनन्द विहार (ट.) | 07:00 | मुजफ्फरपुर जं. | 04:50 | 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य | मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी एवं मोतीपुर |
| 03310 | दिल्ली जं. | 11:45 | धनबाद | 13:00 | 3 टियर वाता. इकोनॉमी | टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो |
| 04404 | शकूरबस्ती | 15:15 | पटना जं. | 13:30 | शयनयान एवं सामान्य | नई दिल्ली, गाजियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर |
| 04406 | शकूरबस्ती | 20:15 | सहरसा जं. | 05:30 | शयनयान एवं सामान्य | नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं. |
| 04410 | शकूरबस्ती | 13:00 | झंझारपुर जं. | 18:30 | शयनयान एवं सामान्य | नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं. गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं. नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., सीतामढी एवं शिशो हाल्ट |
| 04148 | नई दिल्ली | 09:45 | प्रयागराज | 20:20 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | अलीगढ़, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल एवं फतेहपुर |
| **दिनांक 27.10.2025 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची** | | | | | | |
| 02252 | नई दिल्ली (वंदे भारत) | 08:35 | पटना जं. | 21:30 | वाता. कुर्सीयान | अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा |
| 04204 | नई दिल्ली | 20:20 | लखनऊ | 06:35 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा. | गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर एवं हरदोई |
| 04450 | नई दिल्ली | 15:10 | दरभंगा | 16:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं. |
| 04454 | नई दिल्ली | 20:00 | मानसी | 23:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय एवं खगड़िया जं. |
| 04456 | नई दिल्ली | 22:40 | धनबाद | 02:20 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो |
| 04458 | आनन्द विहार (ट.) | 13:40 | भागलपुर | 14:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुल्तानगंज |
| 04016 | आनन्द विहार (ट.) | 15:30 | सीतामढ़ी | 15:00 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया |
| 04452 | नई दिल्ली | 18:15 | हावड़ा जं. | 23:30 | शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंदेल जं., |
| 04094 | हजरत निजामुद्दीन | 11:00 | पटना जं. | 05:00 | प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. | गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर |
| 04096 | आनन्द विहार (ट.) | 00:05 | पाटलिपुत्र | 21:30 | प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य | गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा |
| 04098 | नई दिल्ली | 09:30 | हसनपुर रोड | 12:00 | 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य | गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं. |
| 04090 | आनन्द विहार (ट.) | 14:25 | पटना जं. | 11:00 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र |
| 03256 | आनन्द विहार (ट.) | 23:30 | पटना जं. | 18:35 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य | गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर |
| 03258 | आनन्द विहार (ट.) | 05:00 | दानापुर | 20:45 | 3 टियर वाता. इकोनॉमी | कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा |
| 02398 | आनन्द विहार (ट.) | 08:20 | गया | 00:30 | प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य | गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड |
| 03640 | दिल्ली जं. | 19:00 | गया | 11:30 | 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड |
| 04124 | हजरत निजामुद्दीन | 15:45 | प्रयागराज जं. | 09:10 | 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य | कोसी कलां, मथुरा जं., आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जं., अतर्रा, चित्रकूट धाम, मानिकपुर जं., डभौरा एवं शंकरगढ़ |

**रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे कि पटाखे, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, केरोसिन, इत्यादि कदापि लेकर सफर न करें।**

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे कि सीट उपलब्धता और समय-सारणी आदि के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

**उत्तर रेलवे**
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहको की सेवा मे मुस्कान के साथ | पर हमें फॉलो करें

## डीसीबी बैंक ने की वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के परिणाम की घोषणा

**मुंबई, एजेंसी।** डीसीबी बैंक लिमिटेड (बीएसई- 532772; एनएसई: डीसीबी) के निदेशक मंडल ने 17 अक्टूबर, 2025 को मुंबई में हुई अपनी बैठक में 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। इस बैठक में वैधानिक लेखा परीक्षकों 'वर्मा एंड वर्मा, चार्टर्ड अकाउंटेंट' और 'बीएसआर एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट' की सीमित समीक्षा रिपोर्ट को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैंक ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में उसका कर-पश्चात मुनाफा (पीएटी) 18 प्रतिशत बढ़कर 184 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 155 करोड़ रुपये था। अग्रिम (एडवांस) में साल-दर-साल 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें मॉर्गेज में 13 प्रतिशत, सह-ऋण में 140 प्रतिशत, निर्माण वित्त में 29 प्रतिशत और कृषि एवं समावेशी बैंकिंग में 13 प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। वहीं, जमा वृद्धि दर भी साल-दर-साल 19 प्रतिशत रही। 30 सितंबर, 2025 तक बैंक का सकल एनपीए 2.91 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए 1.21 प्रतिशत रहा। इसी अवधि में प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 74.15 प्रतिशत और स्वर्ण ऋण एनपीए को छोड़कर पीसीआर 74.81 प्रतिशत दर्ज किया गया। बैंक की पूंजी पर्याप्तता स्थिति मज़बूत बनी हुई है और 30 सितंबर, 2025 तक इसका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.41 प्रतिशत रहा, जिसमें बेसल-द्वद्वद्व मानदंडों के अनुसार टियर-द्व पूंजी 13.97 प्रतिशत और टियर-द्वद्व पूंजी 2.44 प्रतिशत रही। डीसीबी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री प्रवीण कुट्टी ने परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जमा और अग्रिम में निरंतर वृद्धि बनी हुई है। जमा और उधार की लागत में कमी लाने से एनआईएम में सुधार हुआ है। कर्मचारी उत्पादकता और प्रौद्योगिकी अपनाने से लगातार पांच तिमाहियों से औसत परिसंपत्तियों की लागत में गिरावट आई है। बेहतर संग्रह और वसूली के चलते ऋण लागत में भी उल्लेखनीय कमी हुई है। उन्होंने कहा कि बैंक को उम्मीद है कि यह सकारात्मक रुझान आने वाली तिमाहियों में भी जारी रहेगा।

## ब्रेस्ट कैंसर में उपचार और सेहत के बीच संतुलन बनाना: डॉ. श्रीकांत तिवारी

**भोपाल।** हर अक्टूबर, जब दुनिया ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के लिए गुलाबी हो जाती है, तो बातें ज्यादातर शुरुआती पता लगाने, जीने के आंकड़ों और प्रेरणादायक रिकवरी कहानियों पर होती हैं। ये जरूरी हैं, लेकिन एक और बात भी उतनी ही महत्वपूर्ण है- शुरुआती ब्रेस्ट कैंसर के साथ रोज की जिंदगी जीना। आज 30-40 साल की उम्र में ज्यादा महिलाओं को यह बीमारी हो रही है, जब वे कॅरियर बना रही होती हैं, परिवार संभाल रही होती हैं या दूसरी जिम्मेदारियां निभा रही होती हैं। इनके लिए डायग्नोसिस जिंदगी को नहीं रोकती – यह जिंदगी को नया रूप देती है, जिसमें इलाज, काम, परिवार और अपनी भलाई के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। डॉ. श्रीकांत तिवारी, सीनियर कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, भोपाल, ने कहा, अर्ली ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही महिलाओं के लिए उपचार केवल बीमारी को ठीक करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह उनकी पूरी जिंदगी की गुणवत्ता बनाए रखने से भी जुड़ा होता है। समझना और ऐसी थेरेपी चुनना बेहद ज़रूरी है, जो इस जोखिम को कम करे और साथ ही थकान, दर्द या डायरिया जैसे साइड इफेक्ट्स को भी न्यूनतम रखे। इससे मरीज की भावनात्मक सेहत भी बेहतर बनी रहती है। आज नई और उन्नत थेरेपीज़ उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से कई महिलाएं इलाज के दौरान अपनी ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बनाए रख पा रही हैं। मरीज थेरेपी के दौरान भी खुशहाल और सक्रिय जीवन जी सकती हैं।

# सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कैसे पांच साल में 31 करोड़ का फंड बनाया, सीए से समझिए निवेश की रणनीति

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आमदनी चाहे कितनी भी हो, लेकिन यदि उसका ढंग से मैनेजमेंट नहीं हो तो आपके पास कुछ भी रकम नहीं बचती है। लेकिन यदि समझदारीपूर्ण तरीके से निवेश किया जाए तो फिर आपकी रकम तेजी से बढ़ती है। सीए नितिन कौशिक ने एक्स पर ऐसा ही एक पोस्ट किया है। उसने बताया है कि मुंबई के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पांच साल में 8 करोड़ रुपये को 31 करोड़ रुपये में बदल दिया।

### समय की कसौटी पर कसें

नितिन कौशिक ने एक बढ़िया बात बताई है। उन्होंने कहा है कि जो दौलत समय की कसौटी पर खरी उतरती है, उसका किस्मत से कोई लेना-देना नहीं होता। ऐसी दौलत धीरे-धीरे और चुपचाप बनती है। इसके लिए सोच-समझकर, अनुशासित तरीके से लगातार सही फैसले लेने पड़ते हैं। उन्होंने पांच साल पहले एक 38 साल के इंजीनियर के साथ काम करना शुरू किया था। तब इंजीनियर की कुल संपत्ति 8 करोड़ रुपये थी। अनुशासित और समझदारी भरे तरीके से काम करने पर, यह रकम बढ़कर 31 करोड़ रुपये हो गई। इस बदलाव के बारे में कौशिक ने कहा, कोई शॉर्टकट नहीं। कोई रातोंरात ट्रेडिंग से जीत नहीं। बस डेटा, धैर्य और स्मार्ट वित्तीय फैसले। कौशिक अपने ग्राहकों के लिए लंबी अवधि के, विश्वास पर आधारित इक्विटी पोर्टफोलियो (शेयरों का समूह) वाली वित्तीय रणनीति बनाते हैं और उस पर अमल करते हैं।

### कैसे हुआ ऐसे

कौशिक और उनके क्लाइंट ने मिलकर स्मॉल (छोटी), मिड (मध्यम) और लार्ज-कैप (बड़ी) कंपनियों के शेयरों का एक ऐसा कलेक्शन बनाया जो दौलत बढ़ाता है। कुल इक्विटी निवेश को संतुलित रखने के लिए, 20 प्रतिशत हिस्सा जानबूझकर कुछ म्यूचुअल फंडों (जहां कई लोगों का पैसा मिलकर शेयर बाजार में लगाया जाता है) में लगाया गया। इस अनुशासित तरीके से काफी अच्छा मुनाफा हुआ। पांच सालों में हर साल औसतन 18.7 प्रतिशत का सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मिला। कौशिक के अनुसार, जब आप लगातार बने रहते हैं तो कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि) चुपचाप अपना जादू दिखाती है।

# सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स लगातार छठे साल ग्लोबल ब्रांडों की सूची में 5वें नंबर पर

### सैमसंग को एआई लीडरशिप और इसे अपनाने में तेजी लाने के लिए सम्मानित किया गया

**गुरुग्राम, एजेंसी।** सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज घोषणा की है कि ग्लोबल ब्रांड कंसल्टेंसी इंटरब्रांड द्वारा इसे लगातार छठे वर्ष ग्लोबल ब्रांडों की सूची में 5वें पायदान पर रखा गया है। इंटरब्रांड हर साल अपनी बेस्ट ग्लोबल ब्रांड्स सूची जारी करता है। इस साल की सूची में सैमसंग का ब्रांड मूल्य 90.5 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया है, जिससे यह 2020 से लगातार एशिया की एकमात्र कंपनी बनी हुई है जो ग्लोबल टॉप फाइव में बनी हुई है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रेसिडेंट और ग्लोबल मार्केटिंग ऑफिस के हेड वॉन-जिन ली ने कहा, एआई इनोवेशन और ओपन कोलैबोरेशन के माध्यम से, सैमसंग ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि ज्यादा से ज्यादा ग्राहक अपनी दैनिक जिंदगी में एआई का अनुभव कर सकें। भविष्य में हम स्वास्थ्य और सुरक्षा सहित ग्राहकों के लिए फायदों पर ध्यान देंगे ताकि सैमसंग सबका और भी चहेता ब्रांड बन सके। इनोवेशन फॉर ऑल विज़न के तहत, सैमसंग लगातार दुनिया भर के ज्यादा ग्राहकों के लिए एआई को सुलभ बनाने का प्रयास कर रहा है। इस साल, सैमसंग ने गैलेक्सी एआई के निरंतर विकास के साथ मोबाइल एआई में अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। कंपनी एक साल के भीतर 400 मिलियन डिवाइसेज पर इसे उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है, जिससे एआई को सब तक पहुंचाने को बढ़ावा मिलेगा। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स (सीई) में, सैमसंग ने प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए विशिष्ट रूप से निर्मित एआई टेक्नोलॉजीज जैसे विज़न एआई और बीस्पोक एआई पेश करके एआई प्रतिस्पर्धात्मकता का विस्तार किया है।

INTERBRAND BEST GLOBAL BRANDS 2025

विभिन्न पार्टनर्स के साथ ओपन कोलैबोरेशन के माध्यम से, सैमसंग ने ग्राहकों के लिए पर्सनलाइज्ड एआई अनुभवों को बेहतर बनाया है, साथ ही सैमसंग नॉक्स के साथ इंडस्ट्री-लीडिंग सिक्योरिटी प्रदान की है। सेमीकंडक्टर्स में, सैमसंग एआई की बढ़ती मांग को क्लाउड, ऑन-डिवाइस और फिजिकल एआई पोर्टफोलियो की मदद से पूरा करने की कोशिश कर रहा है। इसमें एचबीएम, हाई-कैपेसिटी डीडीआर5, एलपीडीडीआर5 एक्स और एलपीडीडीआर7 जैसे एडवांस्ड उत्पादों के साथ सक्रिय प्रतिक्रिया शामिल है।

# क्रिप्टो-एसआईपी की दिवानी जेन जी के पोर्टफोलियो में क्यों नहीं है बीमा

**मुंबई, एजेंसी।** जेन जी के लिए, दुनिया वाकई में उनकी मुट्ठी में है। स्वतंत्र, डिजिटल-प्रथम और वित्तीय रूप से जागरूक, वे पहले के किसी भी पीढ़ी की तुलना में जल्दी अपनी जिंदगी की बागडोर संभाल रहे हैं। उदाहरण के लिए, 24 साल की प्रिया, दिन में तीन बार अपने क्रिप्टो पोर्टफोलियो को जरूर चेक करती है और 18 महीनों में एक भी एसआईपी पेमेंट मिस नहीं किया है, लेकिन जब उससे उसके हेल्थ इंश्योरेंस के बारे में पूछा गया, तो वह अनिश्चित दिखी।

उसने कहा, ÷यह तो है, लेकिन मैं नहीं जानती कि इसका मेरे लिए वास्तव में क्या मतलब है।÷ यह उदासीनता नहीं है, बल्कि हमारे उद्योग के लिए एक चेतावनी है कि हम बीमा को जेन जी के वित्तीय जीवन के बाकी हिस्सों की तरह ही स्पष्ट, सुविधाजनक और प्रासंगिक बनाएं।

आज जेन जी और मिलेनियल्स लगभग 85 प्रतिशत बीमा खरीदारी करते हैं। फिर भी, उनकी वित्तीय साक्षरता और डिजिटल सहजता के बावजूद, भारत में बीमा का फैलाव अभी भी सीमित है, जो 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.7 प्रतिशत था। इसमें से हेल्थ इंश्योरेंस भारत की जीडीपी का लगभग 0.42 प्रतिशत था। अवसर साफ है, चुनौती जागरूकता की नहीं, बल्कि प्रासंगिकता की है।

ज्यादातर युवा पेशेवरों का बीमा से पहला सामना कॉर्पोरेट स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से होता है। हालांकि ये योजनाएं अब भी मूल्यवान हैं, लेकिन अगर ये किसी एक नियोक्ता से बंधी हों, तो यह सीमित महसूस हो सकता है, खासकर जब नौकरी में औसतन 18 से 24 महीने ही टिके रहते हैं। कॉर्पोरेट बीमा एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना रहेगा, लेकिन मॉड्यूलर, पोर्टेबल ग्रुप पॉलिसियों, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, वेलनेस रिइंबर्समेंट और परिवार को शामिल करना जैसे सुधार, सुरक्षा की निरंतरता बढ़ा सकते हैं और नियोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने का सबसे अच्छा समय जल्दी है, लगभग 23 से 25 साल की उम्र में, जब इंसान स्वस्थ होता है, प्रीमियम सबसे कम होते हैं, और कवरेज सुरक्षित करना सबसे आसान होता है। जल्दी शुरुआत करने से तनाव, धूम्रपान या गतिहीन आदतों जैसी जीवनशैली के जोखिमों से होने वाली भविष्य की लागत को प्रबंधित करने में मदद मिलती है। ऐसा करने से, बीमा एक प्रतिक्रियाशील उत्पाद न रहकर वित्तीय नियोजन के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाले टूल में बदल जाता है।

# कोस्टा कॉफी भारत में फिर लेकर आया मैपल हेज़ल मेन्यू

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पिछले साल मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, कोका-कोला कंपनी का काफी ब्रांड, कोस्टा कॉफी इस शरद ऋतु (ऑटम) में भारत में एक बार फिर अपना बेहद पसंदीदा मैपल हेज़ल मेन्यू लेकर आ रहा है। यह सीज़नल ड्रिंक हेज़लनट की गाढ़ी मिठास और मैपल के सुनहरे स्वाद को मिलाकर हर कप में शरद ऋतु का अहसास देता है। ऑटम के जोश का उत्सव मनाते हुए, कोस्टा कॉफी ने तीन शानदार ड्रिंक्स का आनंद उठाने के लिए कॉफी प्रेमियों को आमंत्रित किया है- मैपल हेज़ल हॉट लैट्टे, आइस्ड लैट्टे और फ्रेपे। हर मूड के लिए परफेक्ट ड्रू गर्म कप, ठंडा रिफ्रेशर या क्रीमी शेक के साथ कॉफी के दीवाने मैपल हेज़लनट का आनंद उठा सकते हैं। सीमित समय के लिए, ये सीज़नल ड्रिंक्स आपके कॉफी ब्रेक को मजेदार और उत्सवी बना देंगे। अपर्णा चोपड़ा, हेड, फ्रैंजाइजी इमर्जिंग मार्केट्स - इंडिया, साउथईस्ट एशिया एवं जापान, कोस्टा कॉफी ने कहा, ग्राहकों की भारी डिमांड पर मैपल हेज़ल फिर से भारत लाने पर खुशी हो रही है। ये सिर्फ ड्रिंक्स नहीं, बल्कि जेन ज़ी और मिलेनियल्स की परंपरा हैं - स्वादिष्ट फ्लेवर और कूल लुक के साथ हर सिप को लाइफस्टाइल मोमेंट बना देते हैं। भारत में 20 साल की विरासत के साथ, कोस्टा ग्राहकों के लगातार बदलते स्वाद को पूरा करने और हर सीजन को गर्मजोशी से भरा, यादगार एवं अनूठा बनाने को तैयार है। जश्न मना रही है। अपने डेब्यू के बाद से, कोस्टा ने देशभर में कैफे कल्चर को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है, सिग्नेचर ब्लेंड्स बनाए हैं।

## एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को रेलवे मंत्रालय से माइक्रो प्रोसेसर कंट्रोलर के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई

**नईदिल्ली, एजेंसी।** एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने घोषणा की है कि एलएचबी कोचेस और डबल डेकर कोचेस के लिए रूफ-माउंटेड एसी पैकेज यूनिट हेतु माइक्रो प्रोसेसर कंट्रोलर को रेलवे मंत्रालय के रिसर्च डिजाइन्स एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन से स्वीकृति प्राप्त हुई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही और अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया है। 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स की कुल आय 3,841.89 लाख रही, जो वर्ष-दर-वर्ष 38.77त्न की वृद्धि दर्शाती है। इसी अवधि में कर पश्चात लाभ 216.80 लाख रहा। वहीं, 30 सितंबर 2025 तक की छमाही अवधि में कंपनी की कुल आय 5,016.97 लाख रही, जिसमें 29.92त्न की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। अर्धवार्षिक कर पश्चात लाभ 383.50 लाख रहा।हाल ही में कंपनी ने सिंगापुर स्थित टॉप2 पीटीई लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत ताइवान से किसी सेमीकंडक्टर भागीदार की तलाश, पहचान और चयन किया जाएगा। इस समझौते का उद्देश्य ताइवान में सेमीकंडक्टर वेफर उत्पादन प्रारंभ करने के लिए एक रूपरेखा तैयार करना है, जिसकी मासिक उत्पादन क्षमता 25,000 से 30,000 वेफर्स तक रखने की योजना है। यह प्रक्रिया व्यवहार्यता, वार्ता और नियामक अनुपालन के अधीन होगी।

### कंपनियों को हो सकता है फायदा

# 79000 करोड़ के डिफेंस प्रोजेक्ट को डीएसी से मिली मंजूरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार की तरफ से गुरुवार को 79000 करोड़ रुपये के रक्षा खरीद की मंजूरी दे दी गई है। डीएसी ने 23 अक्टूबर को इसका अप्रूवल दे दिया है। यह अप्रूवल इंडियन आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के लिए रक्षा उत्पादों को खरीदने के लिए मिला है। आइए जानते हैं कि इस 79000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का फायदा किन डिफेंस कंपनियों को मिल सकता है।

**इन तीन कंपनियों को मिल सकता है आर्मी का प्रोजेक्ट:** इंडियन आर्मी के लिए डीएसी ने नाग मिसाइल सिस्टम (ट्रैक्ड) का अप्रूवल मिला है। इसका फायदा भारत डायनेमिक्स को हो सकता है। कंपनी को करीब 2000 करोड़ रुपये का काम मिला सकता है। वहीं, डीएसी की तरफ से इंडियन आर्मी को मोबाइल का अप्रूवल दिया गया है। इसका फायदा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और अस्त्र माइक्रो को हो सकता है।

गुरुवार को इंडियन आर्मी के लिए हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की भी मंजूरी दे दी गई है। जिसकी वजह से बीईएमएल के शेयर भी फोकस में रहेंगे।

**नेवी प्रोजेक्ट के लिए रखें इन कंपनियों पर निगाह:** मझगांव डॉक, गार्ड रीच शिपबिल्डर्स, कोचिन शिपयार्ड और एल एंड टी को 60,000 करोड़ रुपये के लेंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स का काम मिल सकता है। वहीं, 30 एमएम के नेवल सर्फेस गन प्रोजेक्ट का फायदा भेल और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स को हो सकता है।

इसके अलावा बीईएल, अस्त्र माइक्रो और डाटा पैटर्न्स को इंडियन नेवी के लिए इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफा रेड सर्च और ट्रैक सिस्टम का काम मिल सकता है। बीते 6 कारोबारी दिन से निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में 2.5 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है।

# क्रॉम्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को आंध्र प्रदेश में मिला 445.03 करोड़ का सोलर प्रोजेक्ट

**मुंबई, एजेंसी।** एक तरफ बाजार में आज शुक्रवार को मंदी सी छाई हुई है। तो वहीं दूसरी तरफ क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में उछाल आंध्र प्रदेश में मिला नया वर्क ऑर्डर है। कंपनी को 445.03 करोड़ रुपये का काम मिला है। इस प्रोजेक्ट के तरह 2 किलोवाट का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाना है। बता दें, यह वर्क ऑर्डर कंपनी को न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ आंध्र प्रदेश से मिला है।

इस प्रोजेक्ट के जरिए कंपनी 38,669 एससी और एसटी कंज्यूमर को सोलर सिस्टम प्रदान करेगी। यह कंपनी आंध्र प्रदेश के 5 अलग-अलग डिवीजन में किया जाएगा।क्रॉम्प्टन ग्रीव्स

कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को डिजाइन, इंजीनियर, सप्लाई, इंस्टॉल, टेस्ट और कमिशनिंग का काम मिला है। बता दें, कंपनी को 6 महीने में काम पूरा करना है।

कंपनी का शेयर बीएसई में 292.95 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 293.65 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। शेयर बाजार में रिटर्न के मामले में कंपनी की स्थिति अच्छी नहीं है 2025 में अबतक कंपनी के शेयरों का भाव करीब 22 प्रतिशत टूट चुका है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 26 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 5.22 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि पहली तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 122.30 करोड़ रुपये रहा है।

## आईपीओ विदेशी 'मालिक' को दिया ?540 करोड़ का डिविडेंड

**मुंबई, एजेंसी।** आईपीओ की तैयारी में जुटी कंपनी ओरकला इंडिया लिमिटेड ने अपने विदेशी प्रमोटर को 540 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया है। जोकि कंपनी के वार्षिक लाभ से भी अधिक है। इसकी जानकारी कंपनी ने साझा किया है। बता दें, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में पहली बार डिविडेंड बांटा था। ओरकला इंडिया लिमिटेड की तरफ से एक शेयर पर 438 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड दिया गया था। जोकि 600.01 करोड़ रुपये है। यह जानकारी ऐसे समय में आई है जब कंपनी सेबी के पास आईपीओ के लिए आवेदन की तैयारी कर चुकी नॉर्वे की यह लिस्टेड कंपनी एमटीआर और ईस्टर्न स्पेसिज़ का आईपीओ 29 अक्टूबर को खुल रहा है। कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 28 अक्टूबर को खुल जाएगा। आईपीओ के जरिए 2.28 करोड़ शेयर प्रमोटर्स बेचते नजर आएंगे। ओरकला इंडिया लिमिटेड और अन्य दो प्रमोटर अपनी हिस्सेदारी आईपीओ के जरिए कंपनी से घटा रहे हैं। रेड टू ईट प्रोडक्ट बनाती है। कंपनी की मौजूदगी कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में है। कंपनी की आर्थिक स्थिति अच्छी है।

## 10 टुकड़ों में बंट रहा है केएसई लिमिटेड स्टॉक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीते 6 महीने के दौरान शेयर बाजार में जिन कंपनियों का प्रदर्शन शानदार रहा है उसमें केएसई लिमिटेड भी है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया गया है।

केएसई लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 28 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जोकि अगले हफ्ते है।

इस कंपनी ने निवेशकों को समय-समय पर डिविडेंड दिया है। आखिरी बार कंपनी सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड मिला था। इससे पहले कंपनी इसी साल फरवरी के महीने में एक्स डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 30 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को दिया था। बता दें, 2024 में कंपनी हर शेयर पर योग्य निवेशकों को 30 रुपये का डिविडेंड बांटा था।

शुक्रवार की सुबह केएसई लिमिटेड के लिए अच्छी रही है। कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। 9.28 मिनट पर यह स्टॉक बीएसई में 2703 रुपये के आस-पास बना हुआ था। महज 6 महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 40 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक अपने पोजीशनल निवेशकों को 12 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है।

# विराट-रोहित आज ऑस्ट्रेलिया में आखिरी मैच खेलेंगे

## 2027 तक यहां इंडिया की सीरीज नहीं, टीम पर ऑस्ट्रेलिया से पहली बार क्लीन स्वीप का खतरा

**सिडनी (एजेंसी)।** ये प्रदर्शन टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली का है। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक अपना खाता नहीं खोल सके हैं। शनिवार को सिडनी में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाना है। मुमकिन है कि यह विराट कोहली और लंबे समय से उनके टीम मेट रहे रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर आखिरी इंटरनेशनल मैच हो। इस मैच में दोनों सितारों से इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस आना जरूरी है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब टीम पर पहली बार क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। कंगारू वनडे क्रिकेट में भारत को अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सके हैं। एक दिन पहले 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मुकाबला 2 विकेट से जीता था। टीम को पहले मैच में 7 विकेट की जीत मिली थी।

### इसीलिए ऑस्ट्रेलिया में रोहित-कोहली का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता

कोहली 36 और रोहित 38 साल के हो चुके हैं। दोनों टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। फ्यूचर टूर प्रोग्राम के अनुसार अगले 2 साल में भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है। इसका मतलब हुआ कि अगर रोहित-कोहली 2027 में साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेलते भी हैं तो भी ऑस्ट्रेलिया में अब वे कोई मैच नहीं खेलेंगे।

### ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ क्लीन स्वीप नहीं कर पाया

इस मुकाबले में भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को वनडे सीरीज में अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सकी है। दोनों टीमों 1984 से वनडे सीरीज खेल रही है। जब पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय दौरे पर आई थी, तब 5 मैचों के 3 मुकाबले जीते थे, लेकिन 2 मैच बेनतीजा रहे।

### सिडनी में 9 साल से नहीं जीता भारत

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में भारतीय टीम का रिकॉर्ड खराब है। टीम ने यहां पिछले 9 साल से कोई वनडे मैच नहीं जीता है। भारतीय टीम को पिछली जीत 23 जनवरी 2016 को मिली थी। उसके बाद से टीम इंडिया ने यहां लगातार 3 मुकाबले गंवाए हैं। ऑस्ट्रेलियन पिचों पर दोनों टीमों के बीच 56 मैच खेले गए हैं, इनमें से 40 मुकाबले मेजबान टीम ने जीते हैं। 14 मैच भारत के पक्ष में रहे हैं। 2 मैच नो रिजल्ट रहे। ओवरऑल हेड-टु-हेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया ने 154 मैच हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 86 और भारत ने 58 मैच जीते हैं। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

## शुभमन गिल बने दुर्भाग्यशाली कप्तान, एडिलेड में भारत का सुनहरा रिकॉर्ड टूटा

एडिलेड (एजेंसी)। एडिलेड ओवल पर गुरुवार को खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। यह मुकाबला सिर्फ हार नहीं था बल्कि कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह भी बना। भारतीय कप्तान शुभमन गिल

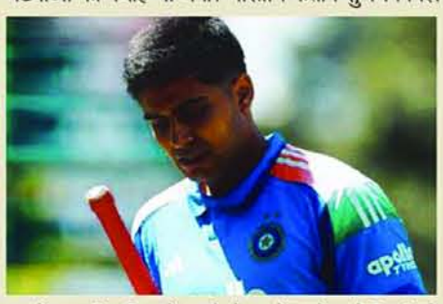

अपने कप्तानी करियर के पहले दो वनडे हारने वाले सिर्फ छठे भारतीय कप्तान बन गए।

**एडिलेड में टूटा भारत का अपराजित सिलसिला-** इस हार के साथ ही भारत का एडिलेड ओवल पर जीत का रिकॉर्ड टूट गया। फरवरी 2008 में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद से भारत इस मैदान पर छह वनडे लगातार जीत चुका था। यह सिलसिला 17 साल बाद थम गया।

### कप्तानी करियर की निराशाजनक शुरुआत

शुभमन गिल अब मोहम्मद अजहरुद्दीन, केएल राहुल, क्रिस श्रीकांत, दिलीप वेंगसरकर और अजीत वाडेकर जैसे कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने कप्तान के रूप में अपने शुरुआती दो वनडे गंवाए।

## मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

**मियामी (एजेंसी)।** लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई।

सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं। 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है।

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे। इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

## हार के बाद बोली न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन

### हम भारत की तरह नहीं हैं,हमारे पास एक अरब लोग नहीं है

**मुंबई (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत के खिलाफ अपनी टीम की हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट के मामले में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को यहां भारत से बड़ी हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हमारे पास एक अरब लोग नहीं हैं जिनसे संपर्क किया जा सके। हम वास्तव में दुनिया के सबसे निचले पायदान पर स्थित एक छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। डिवाइन ने कहा, 'यहां एक अरब लोग हैं और यहां जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से बहुत भिन्न है।

## भारत में होने वाले जूनियर हॉकी वर्ल्डकप से पाकिस्तान हटा

### इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन ने कन्फर्म किया, कहा- नई टीम का ऐलान जल्द करेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान की टीम भारत में 28 नवंबर से होने जा रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से हट गया है। इंटरनेशनल हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

मीडिया सूत्र के हवाले से लिखा कि पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने आधिकारिक तौर पर सूचित किया है कि उसकी टीम इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम खेलेगी, इसका ऐलान जल्द किया जाएगा। पाकिस्तान को पूल बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति है।

भारत ने 2023 में चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को ही 2-1 से हराया था। ओमान भी हट गया था। उनकी जगह बांग्लादेश और कजाकिस्तान को टूर्नामेंट में जगह दी गई थी।

### टीम इंडिया ने नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इनकार किया

भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। नकवी एसीसी चेयरमैन होने के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ भी हैं। साथ ही वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

### हॉकी एशिया कप से भी हट गया था पाकिस्तान

पाकिस्तान ने पिछले महीने बिहार के राजगीर स्टेडियम में आयोजित हॉकी एशिया कप से भी नाम वापस ले लिया था।

# स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने रिकॉर्ड बुक को नए सिरे से लिखा

## मंधाना के एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स; प्रतिका ने फास्टेस्ट हजार रन बनाए

**मुंबई (एजेंसी)।** विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी पहुंच गई। बारिश की वजह से भारत ने 49 ओवर ही बैटिंग की। टीम ने 340 रन बनाए। डीएलएस मैथड से न्यूजीलैंड को 325 रन का टारगेट मिला। जवाब में टीम 8 विकेट पर 271 रन ही बना सकी।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने अपना हाईएस्ट टोटल बनाया। स्मृति मंधाना एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली महिला बनीं। प्रतिका रावल ने सबसे तेज हजार रन बनाए।

### 1. विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत का हाईएस्ट टोटल

भारतीय विमेंस टीम ने वनडे वर्ल्ड कप में अपना हाईएस्ट टोटल बनाया। टीम ने 49 ओवर की बल्लेबाजी की और 3 विकेट खोकर 340 रन बनाए। इससे पहले इसी वर्ल्ड कप में ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 330 का स्कोर बनाया था। हालांकि भारत यह मैच हार गई थी।

### 2. मंधाना दूसरी सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बैटर

विमेंस वनडे क्रिकेट में स्मृति मंधाना दूसरी सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बैटर बन गईं। उनके नाम अब 14 शतक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग 15 शतक के साथ पहले नंबर पर हैं।अगर तीनों फॉर्मेट की बात की जाए तो स्मृति ने मेग लैनिंग की बराबरी कर ली है। अब दोनों के नाम 17-17 सेंचुरी हैं।मंधाना ने एक साल में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में साउथ अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स की भी बराबरी की। दोनों ने इस साल अब तक 5-5 शतक लगाए हैं। 2024 में मंधाना ने 4 शतक लगाए थे।

### 3. मंधाना एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली विमेंस

स्मृति मंधाना विमेंस वनडे के एक साल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली बैटर बन गईं। उन्होंने इस साल अब तक 31 सिक्स लगा दिए हैं। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका की लिजेल ली हैं। 2017 में लिजेल ने 28 सिक्स लगाए थे।

### 4. प्रतिका ने सबसे तेज हजार रन का रिकॉर्ड बनाया

प्रतिका रावल ने वनडे में अपने एक हजार रन पूरे कर लिए। इसके लिए उन्होंने 23 पारियां लीं। विमेंस वनडे में सबसे तेज हजार रन बनाने के मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर की बराबरी की।

### 5. मंधाना-प्रतिका ने वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की

स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 212 रन की ओपनिंग साझेदारी की। यह विमेंस वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले 2022 हैमिल्टन में स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 184 रन की साझेदारी की थी।

### 6. स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने इस साल 1557 रन जोड़े

इंडियन विमेंस ओपनर स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की जोड़ी 2025 में अब तक 1557 रन जोड़ चुकी हैं। यह जोड़ी मेंस और विमेंस दोनों को मिलाकर किसी एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली हैं। दोनों ने 1998 में 1635 रन बनाए थे।

### 7. भारतीय टीम ने इस साल सबसे ज्यादा शतक लगाए

विमेंस वनडे के किसी एक साल में किसी टीम द्वारा सबसे ज्यादा इंडिविजुअल शतकों का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम हो गया है। इस साल अब तक इंडियन विमेंस ने 10 इंडिविजुअल शतक बनाए हैं। न्यूजीलैंड ने 2018 में 8 शतक लगाए थे।

# करणबीर सिंह ने लिखा इतिहास, सूर्यकुमार और रिजवान का टी-20 रिकॉर्ड तोड़ा

### एक कैलेंडर वर्ष में बनाए सर्वाधिक रन

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** दुनिया के क्रिकेट मंच पर ऑस्ट्रिया के ओपनर करणबीर सिंह का नाम तेजी से चमक रहा है। इस खिलाड़ी ने वह कमाल कर दिखाया, जो अब तक सिर्फ क्रिकेट की बड़ी टीमों के स्टार बल्लेबाजों के नाम था। करणबीर ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज़्यादा टी-20 में रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान और भारत के सूर्यकुमार यादव दोनों को पीछे छोड़ दिया।

### रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी

विस्डेन की रिपोर्ट के मुताबिक, करणबीर को रिज़वान के 2021 के 1,326 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सिर्फ 87 रनों की जरूरत थी। रोमानिया दौरे पर 18 अक्टूबर को उन्होंने दो लगातार मैचों में धमाकेदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में 27 गेंदों पर 57 रन और फिर अगले मैच में 46 गेंदों पर 90 रन जड़ दिए।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। अगले दिन उन्होंने 44 गेंदों में 74 और फिर 12 गेंदों में 27 रनों की आतिशी पारी खेली। इन पारियों के बाद उनका सीज़न टोटल 32 पारियों में 1,488 रन तक पहुंच गया और यहीं उन्होंने नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

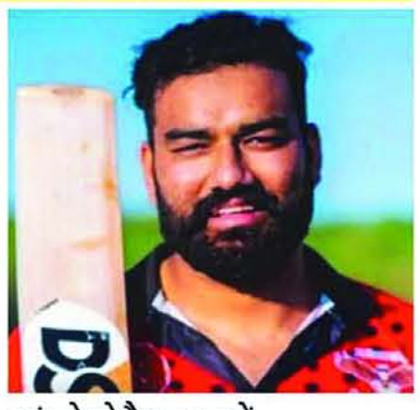

### आंकड़े जो हैरान कर दें

करणबीर के आंकड़े किसी भी इंटरनेशनल स्टार से कम नहीं हैं। उन्होंने ये रन 175 के स्ट्राइक रेट से बनाए, जिसमें 127 चौके और 122 छक्के शामिल हैं! ये छक्कों की संख्या अपने आप में हैरान करने वाली है क्योंकि यह सूर्यकुमार यादव के 2022 में बनाए गए 68 छक्कों से लगभग दो गुना है।

### किसे पीछे छोड़ा करणबीर ने

अब तक पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल कैलेंडर-वर्ष में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड मोहम्मद रिज़वान (1,326 रन, 2021) और सूर्यकुमार यादव (1,164 रन, 2022) के नाम था। लेकिन ऑस्ट्रिया के इस खिलाड़ी ने एसोसिएट नेशन के लिए इतिहास रचते हुए उन दोनों को पीछे छोड़ दिया।

### साथी खिलाड़ी भी छा रहे

रोमानिया के इल्फ़ोव काउंटी में खेले गए चौथे टी-20 में करणबीर के साथी बिलाल ज़ुलमाई भी इस साल 1,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। वहीं, बहरीन के फ़ैयाज़ अहमद भी सिर्फ 57 रन दूर हैं इस खास माइलस्टोन से।

### क्रिकेट के नए नक्शे पर ऑस्ट्रिया

करणबीर का यह प्रदर्शन न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से ऐतिहासिक है, बल्कि एसोसिएट क्रिकेट देशों के लिए भी बड़ी प्रेरणा है। ऑस्ट्रिया जैसे छोटे क्रिकेटिंग देश के खिलाड़ी का दुनिया के बड़े दिग्गजों के बीच रिकॉर्ड बनाना यह साबित करता है कि क्रिकेट की प्रतिभा अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले देशों तक सीमित नहीं रही।

**एशियाई युवा खेल**

## रंजना ने पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक जीता

**रिफा (बहरीन) (एजेंसी)।** भारतीय युवा एथलीट रंजना यादव ने यहां एशियाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 मिनट 25.88 सेकेंड के

समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शियी 24:15.27 सेकेंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रहीं। कोरिया की जियोंग चायेओन ने 25:26.93 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। एशियाई युवा खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कुराश में एक रजत और दो कांस्य के अलावा ताइक्वांडो में दो कांस्य पदक जीते हैं।

# सिडनी वनडे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में बदलाव

### जैक एडवर्ड्स को मौका, लाबुशेन को रिलीज किया, स्टार्क-हेजलवुड को आराम मिल सकता है

**सिडनी (एजेंसी)।** सिडनी वनडे से पहले न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को बुलाया गया है। उन्हें पहली बार ऑस्ट्रेलिया की इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वनडे और टी-20 टीमें जारी की।

इसके अनुसार, आखिरी वनडे के लिए मैथ्यू कुह्नेमन की वापसी हुई है। जबकि, मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम से रिलीज कर दिया गया है। ताकि, वे अगले हफ्ते मंगलवार से शुरू होने वाले शील्ड मैच में क्वींसलैंड के लिए खेल सकें।

25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे में टीम मैनेजमेंट हेजलवुड या स्टार्क को आराम दे सकता है। कंगारू टीम ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है।

**ऑस्ट्रेलिया के वनडे और टी-20 टीम के बदलाव-** जोश हेजलवुड और शॉन एबॉट भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मैच नहीं खेलेंगे। दोनों न्यू साउथ वेल्स से शील्ड मैच खेलने जाएंगे। हेजलवुड सिर्फ पहले दो टी20 मैच खेलेंगे, जबकि एबॉट तीसरे मैच के बाद टीम छोड़ देंगे। मैथ्यू कुह्नेमन और जैक एडवर्ड्स को तीसरे वनडे के लिए टीम में जोड़ा गया है। जॉश फिलिप को टी20 टीम में एक्स्ट्रा विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है, क्योंकि जोश इंग्लिस चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं।

ग्लेन मैक्सवेल कलाई की चोट के कारण शुरुआती 2 टी-20 मैच नहीं खेल सकेंगे। वे आखिरी 3 मैचों में वापसी करेंगे।

### ऑस्ट्रेलिया ने भारत से 2 वनडे जीते

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे सीरीज के शुरुआती 2 मुकाबलों में भारतीय टीम पर जीत हासिल की है। टीम ने एडिलेड में दूसरा मुकाबला 2 विकेट और पर्थ में पहला मैच 7 विकेट से जीता था।

### 5 मैचों की टीम 2-0 सीरीज 29 अक्टूबर से

वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया को आपस में 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज का पहला मुकाबला कैनबरा दोपहर 1:45 बजे से खेला जाएगा।

# टिकाऊ खेती में
## खरपतवार नियंत्रण का महत्व

**देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।**

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

### खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

### प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

**शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग** - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

### किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

**जीरोटिलेज एवं फर्ब्स** - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

**उचित फसल चक्र अपनाकर** - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

**अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर** - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

**यान्त्रिक विधि** - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

**खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग** - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

# ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

### अर्गट या गूंदिया रोग

**रोग के लक्षण** - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

**रोकथाम** - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

### कंडवा रोग

**रोग के लक्षण** - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है।

आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

### शीर्ष कंडवा

**रोकथाम** - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

### पत्ती धब्बा रोग

**रोग के लक्षण** - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

**रोकथाम** - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

### चारकोल तना सड़न रोग

**रोग के लक्षण** - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते हैं तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

**रोकथाम** - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

# सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

**पत्ती झुलसन रोग** - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

**श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग**- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेड़ी-मेड़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

**चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्डयू)** - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

**तना सड़न या पोलियो रोग** - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

**नियंत्रण हेतु** - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

### कीट नियंत्रण

**दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड वग)**- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

**माहू या चैंपा (एफिड)** - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

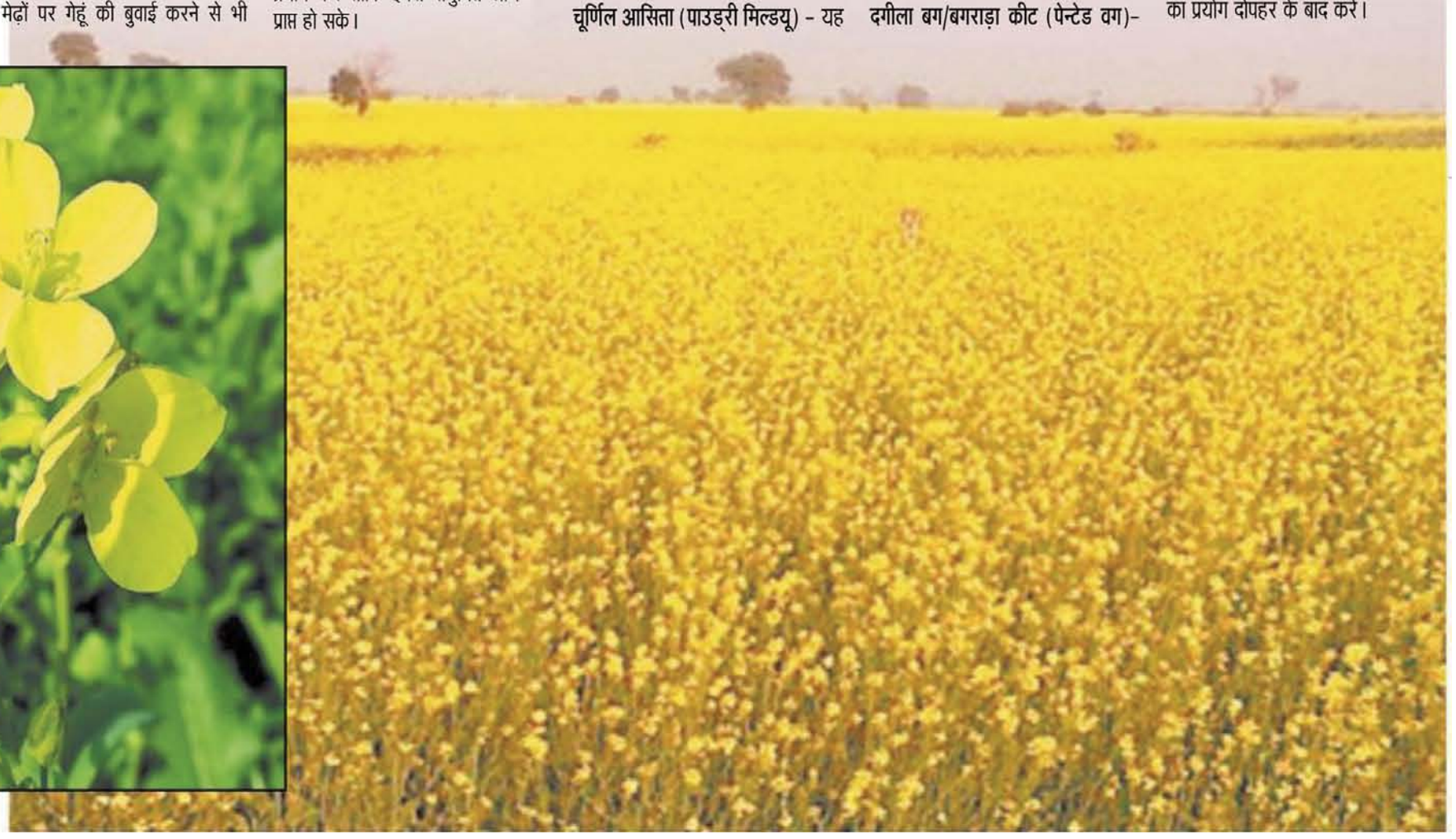

'जाट' पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

# सनी-रणदीप के खिलाफ केस दर्ज

सनी देओल, रणदीप हुड्डा स्टारर हालिया रिलीज फिल्म 'जाट' मुश्किलों में घिरती दिख रही है। फिल्म पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा है। जालंधर के थाना सदर में सनी देओल, रणदीप हुड्डा समेत टीम के अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। जालंधर के थाना सदर में 'जाट' फिल्म के अभिनेता सनी देओल, रणदीप हुड्डा, वीनित कुमार, निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी, प्रोड्यूसर नवीन मलिनेनी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। फिल्म के सदस्यों पर मामला जालंधर के गांव फोलरीवाल निवासी विकल्फ गोल्ड के बयानों पर दर्ज हुआ है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की धारा 299 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है। ईसाई समुदाय ने हाल ही में 'जाट' फिल्म में एक सीन को लेकर पुलिस कमिश्नरेट दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया था। समुदाय का आरोप है कि फिल्म के एक सीन में प्रभु यीशु और धर्म से जुड़ी पवित्र चीजों की बेअदबी की गई है, जिसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को मामला दर्ज करवाने की मांग के साथ पत्र सौंपा था। पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि जाट मूवी में प्रभु यीशु मसीह के सलीब (लकड़ी का बना क्रॉस) वाले दृश्य की नकल करके ईसाईयों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया गया है। जाट का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी ने किया है। सनी देओल के साथ फिल्म में रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में अभिनेता रणदीप हुड्डा खतरनाक खलनायक रणतुंगा के किरदार में हैं। फिल्म में उर्वशी रौतेला का एक आइटम सॉन्ग टच किया भी है। हिंदी के साथ ही तमिल और तेलुगू में रिलीज हुई फिल्म जाट का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के साथ मिलकर किया है। 10 अप्रैल को रिलीज हुई जाट का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है। फिल्म 60 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। सफलता से उत्साहित निर्माताओं ने जाट 2 की घोषणा भी कर दी है। निर्माताओं ने बताया कि जाट 2 नए मिशन के साथ दर्शकों के सामने आएगी।

# मॉडल के साथ अफेयर की चर्चाओं के बीच, हनी सिंह का क्रिप्टिक पोस्ट

अक्सर सुर्खियों में रहने वाले सिंगर-रैपर हनी सिंह आजकल अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस बीच अब हनी सिंह का एक क्रिप्टिक पोस्ट लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। जानिए इस पोस्ट में ऐसा क्या है खास। भारतीय रैपर-सिंगर हनी सिंह इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में बने हुए हैं।

उनके और मॉडल एमा बकर के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं इन दिनों बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। हाल ही में एमा के जन्मदिन के मौके पर हनी सिंह की मौजूदगी ने एक बार फिर चर्चाओं को हवा दे दी है। अब अफेयर की चर्चाओं के बीच हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की है। जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

### 'जिंदगी एक खूबसूरत सफर है'

हनी सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया है। रिलेशनशिप की चर्चाओं के बीच हनी सिंह का ये क्रिप्टिक पोस्ट सुर्खियां बटोर रहा है। अपने इस पोस्ट में हनी सिंह ने लिखा, आप धरती पर रहते नहीं हैं, आप इससे गुजर रहे हैं। जिंदगी एक खूबसूरत सफर है, पीड़ा नहीं दोस्त। हनी सिंह का ये क्रिप्टिक पोस्ट अब लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा।

### जन्मदिन सेलिब्रेशन में एमा के साथ नजर आए हनी सिंह

हनी सिंह ने ये स्टोरी ऐसे वक्त पर लगाई है, जब हाल ही में एमा बकर की जन्मदिन की पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ, जिसे खुद हनी सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। इस वीडियो में हनी सिंह अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड एमा बकर के साथ बैठे हुए हैं और एक आलीशान रेस्टोरेंट में जन्मदिन का सेलेब्रेशन मना रहे हैं। वीडियो में दिखता है कि हनी ने एमा के लिए सरप्राइज पार्टी रखी है। इस दौरान वीडियो में हनी सिंह एमा का हाथ थामे भी दिखाई दे रहे हैं। बैकग्राउंड में हनी सिंह का गाना मिलियनेयर बज रहा था, जिससे सोशल मीडिया यूजर्स संभावित रोमांटिक कनेक्शन के बारे में अटकलें लगा रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही हनी सिंह और एमा बकर के अफेयर की चर्चाएं जोरों पर हैं।

# महेश बाबू की फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने दिया हिंट



हाल ही में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' से चर्चा में हैं। महेश बाबू की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है। महेश बाबू और राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसएसएमबी 29' की शूटिंग जोरों-शोरों से चल रही हैं। अब फिल्म को लेकर एक अपडेट आया है। प्रियंका चोपड़ा ने दिए ये हिंट। जानने के लिए पढ़ें पूरी खबर। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इसमें उन्होंने ग्राफिक्स के जरिए बताया है कि वह मुंबई से होते हुए पर्ल सिटी हैदराबाद आ गई हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के जरिए यह कहा जा रहा है कि अभिनेत्री महेश बाबू की फिल्म 'एसएसएमबी 29' की शूटिंग के लिए फिर से हैदराबाद आ गई हैं, जिसका अगले हफ्ते यहां शूटिंग होगी। इस फिल्म के एक-एक अपडेट का फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

### फिल्म को लेकर क्या है अपडेट?

राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म एसएसएमबी 29 को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने का प्लान है। महेश बाबू अभिनीत इस एडवेंचर थ्रिलर फिल्म की शूटिंग 2026 के मध्य तक चलने की उम्मीद है। अभी फिल्म ने ओडिशा के कोरपुट शेड्यूल की शूटिंग पूरी की है।

# गुरु रंधावा ने अपने पहले इंडिपेंडेंट एल्बम विदाउट प्रेजुडिस से कतल का ऑफिशियल वीडियो किया रिलीज़

गुरु रंधावा ने हाल ही में अपने नए एल्बम विदाउट प्रेजुडिस के रिलीज़ से संगीत प्रेमियों को एक खास तोहफा दिया है। एल्बम के सभी नौ गानों के ऑडियो वर्जन को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बीच, अब गुरु रंधावा ने एल्बम के गाने कतल का आधिकारिक यूट्यूब वीडियो रिलीज़ कर दिया है। इस वीडियो में उनके साथ साउंडस मुफ़ाकिर नजर आ रही हैं, और इसे वॉर्नर म्यूजिक इंडिया के सहयोग से तैयार किया गया है। इस गाने को गुरु रंधावा ने खुद गाया है, जबकि इसके बोल रोनी अजनाली, गिल मछराई और गुरु रंधावा ने मिलकर लिखे हैं। कतल एक महिला की खूबसूरती की झलक को बयां करता है, जिसे गुरु रंधावा ने अपनी भावपूर्ण आवाज़ के ज़रिए पेश किया है। इसमें एक महिला की खूबसूरती की तुलना एक हथियार की धार से की गई है–जो उनके आत्मविश्वास, ऊर्जा और आकर्षण का प्रतीक है। इस वीडियो का निर्देशन मशहूर कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने किया है, जो संगीत और डांस प्रेमियों को जरूर पसंद आएगा। गुरु की गायकी और गीतों की गहराई को बॉस्को की कोरियोग्राफी के साथ मिलाकर कतल एक बेहतरीन फ्यूजन बन जाता है, जो युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हो सकता है और भारतीय संगीत को वैश्विक स्तर पर एक नई ऊंचाई पर पहुंचाता है। विदाउट प्रेजुडिस को गुरु रंधावा का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट माना जा रहा है। पंजाबी म्यूजिक को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने वाले गुरु इस एल्बम में पारंपरिक रंगों को आधुनिक वैश्विक ध्वनियों के साथ मिलाकर एक अनूठा अनुभव देते हैं। यह रचनात्मक पहल न सिर्फ़ उनकी लोकप्रियता को बढ़ाती है बल्कि दुनियाभर में बसे भारतीय समुदाय को भी एक सूत्र में जोड़ती है।

# सिनेमाघरों में फिर रिलीज हुई 'विक्की डोनर', आयुष्मान बोले फिल्म ने मेरी जिंदगी बदल दी

**अभिनेता** आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री यामी गौतम धर स्टारर फिल्म 'विक्की डोनर' शुक्रवार को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज की गई। अभिनेता ने 'विक्की डोनर' को उनकी जिंदगी बदलने वाली फिल्म बताया। 13 साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'विक्की डोनर' के प्रति प्रेम और लगाव को व्यक्त करते हुए आयुष्मान खुराना ने कैप्शन में लिखा, 13 साल पहले आई फिल्म 'विक्की डोनर' ने आपके दिलों में जगह बनाई और मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

अभिनेता ने आगे बताया, 'विक्की डोनर' सिनेमाघरों में वापस आ चुकी है और मैं फिर से वही प्यार-अपनापन महसूस कर रहा हूं। विक्की डोनर साल 2012 में रिलीज हुई थी। फिल्म निर्देशक सुजित सरकार ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर प्रशंसकों को री रिलीज की जानकारी दी। उन्होंने फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'विक्की डोनर' 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है। विक्की डोनर के जरिए अभिनेता जॉन अब्राहम ने निर्माण की दुनिया में कदम रखा था। 'विक्की डोनर' की री-रिलीज पर उत्साह व्यक्त करते हुए जॉन ने लिखा था, निर्माता के तौर पर मेरी पहली फिल्म 18 अप्रैल को बड़े पर्दे पर वापस आ रही है! बोल्ड, समय से आगे की कहानी जिसमें एक मैसेज है, जो आज भी दिल को छू जाता है। मैं सुजित सरकार, जूही चतुर्वेदी, अनु कपूर और आयुष्मान खुराना, यामी गौतम संग काम कर खुद को लकी महसूस करता हूं। इस जबरदस्त कॉमेडी फिल्म को मिस न करें! 18 अप्रैल को देखें। आयुष्मान खुराना और यामी गौतम ने साल 2012 में आई फिल्म 'विक्की डोनर' के साथ बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। स्पर्म डोनेशन और बांझपन को लेकर सामाजिक धारणाओं पर चोट करती फिल्म ने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते थे।

# मैं राम नहीं दशरथ के रास्ते पर चलता हूं

### 2 शादी और एक अफेयर पर कमल हासन ने दी सफाई

अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ के प्रमोशन में व्यस्त कमल हासन ने शादी पर खुलकर बात की। त्रिशा कृष्णन ने शादी में विश्वास न होने की बात कही, तो कमल हासन ने अपनी दो शादियों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने सामाजिक मान्यताओं को चुनौती दी।

एक्टर कमल हासन, त्रिशा कृष्णन और सिलंबरासन टीआर उर्फ सिम्बू अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ के प्रचार में व्यस्त हैं। प्रचार के दौरान जब एक्टर्स से शादी के बारे में पूछा गया तो कमल ने दो बार शादी करने की बात कही। इवेंट में एंकर ने सबसे शादी के बारे में उनकी राय पूछी। त्रिशा ने जवाब दिया, मैं शादी में विश्वास नहीं करती। अगर शादी होती है तो ठीक है, अगर नहीं होती है तो भी ठीक है। जब कमल से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक दशक पहले एमपी जॉन ब्रिटास के साथ हुई एक घटना का जिक्र किया। कमल हासन ने तमिल में कहा, यह 10-15 साल पहले की बात है। एमपी ब्रिटास मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कॉलेज के छात्रों के एक ग्रुप के सामने मुझसे पूछा- आप एक अच्छे ब्राह्मण परिवार से हैं, आपने दो बार शादी कैसे की? मैंने कहा- अच्छे परिवार से होने का शादी से क्या लेना-देना है? उन्होंने कहा- नहीं, लेकिन आप भगवान राम की पूजा करते हैं, इसलिए आप वैसे ही जीते हैं जैसे उन्होंने जिया।

# मर्दों को पीरियड्स होते तो युद्ध हो जाता: जान्हवी कपूर

**जान्हवी** कपूर ने उन पुरुषों की आलोचना की है जो महिलाओं के पीरियड्स के दर्द को अनदेखा करते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष इस दर्द को सहन नहीं कर पाएंगे। जान्हवी ने बताया कि पीरियड्स का दर्द महिलाओं को अलग-अलग तरह से प्रभावित करता है और कुछ पुरुष इसे कम आंकते हैं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने उन पुरुषों की आलोचना की है जो महिलाओं में पीरियड्स के दर्द को नफरत भरी निगाहों और लहजे से नज़रअंदाज़ करते हैं। उनका कहना है कि वे खुद इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू में जान्हवी ने बताया कि पीरियड्स का दर्द महिलाओं को किस तरह से अलग तरह से प्रभावित कर सकता है और क्यों कुछ पुरुष इसे तुच्छ समझते हैं। हाउटरफ्लाई से बात करते हुए जान्हवी कपूर ने बताया कि कैसे कई बातचीत में पीरियड्स के दर्द और मासिक धर्म का इस्तेमाल महिलाओं के मूड स्विंग के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा, अगर मैं झगड़ा करने की कोशिश कर रही हूं या मेरी बात को सामने रखने की कोशिश कर रही हूं और आप बोलते हो क्या यह पीरियड्स का समय है? लेकिन अगर आप सच में हमदर्दी दिखा रहे हैं, तो आपको एक मिनट रुकना चाहिए। अधिकतर मामलों में, आपको एक मिनट की जरूरत होती है, क्योंकि जिस तरह से हमारे हार्मोन चार्ट से बाहर हैं, हम जिस दर्द से गुजरते हैं, वह बहुत मुश्किल है।

### मर्दों को पीरियड्स होते तो...

जान्हवी ने पीरियड्स को कुछ पुरुषों के नज़रिए को पर बात की और कहा, लेकिन यह अजीब सी नजर और लहजा है... क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाती हूं, पुरुष इस दर्द और मूड स्विंग को एक मिनट भी बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। पता नहीं कौन सा परमाणु युद्ध हो जाता अगर मर्दों को पीरियड्स होते।

# उत्तर प्रदेश की तरक्की का द्वार बनेगा जेवर एयरपोर्ट : योगी

एयरपोर्ट के शुभारंभ की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ की विस्तृत समीक्षा

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने डॉमेस्टिक टर्मिनल, उद्घाटन समारोह स्थल, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट के बोर्डरूम में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (NIAL) और एयरपोर्ट निर्माण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में परियोजना की प्रगति, आगामी कार्ययोजना और उद्घाटन समारोह की तैयारियों पर पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। इस दौरान, सीएम योगी ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रदेश के विकास का प्रतीक बनेगा, इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता और समन्वय सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएँ और उद्घाटन समारोह की तैयारियों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

### सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण, स्वच्छता और यात्री सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए ठोस और समन्वित कार्ययोजना तैयार करने को कहा। एयरपोर्ट से जुड़ी सड़क और मेट्रो लिंक परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने नागरिक उड्डयन, सुरक्षा, विस्फोटक निरोधक दस्ता, नियंत्रण इकाई, उप स्टेशन और आधारभूत संरचना से संबंधित अद्यतन जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे के संचालन से जुड़े सभी तकनीकी, सुरक्षा एवं प्रशासनिक पहलुओं की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीओओ किरण जैन ने एनआईए अनुज्ञा निर्गमन, यात्री सुरक्षा, रनवे, वायुसंचालन परीक्षण और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को पूर्ण रूप से सुदृढ़ और चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए तथा कहा कि किसी भी प्रकार की शिथिलता अस्वीकार्य होगी।

### गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे से सड़क संपर्क, माल परिवहन संपर्क, अग्निशमन केंद्र, जल शोधन संयंत्र, जलभराव निस्तारण एवं वाहन पार्किंग की व्यवस्थाओं की भी विस्तार से समीक्षा की। नायल के सीईओ राकेश कुमार सिंह और नोडल अफसर शैलेन्द्र भाटिया ने प्रगति और कनेक्टिविटी के सम्बन्ध में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रियों को सुगम एवं सुरक्षित अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी कर ली जाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि हवाई अड्डे के सभी कार्यों की प्रगति नियमित रूप से समीक्षा कर गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

### जनसभा स्थल तक सभी मार्गों पर यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था हो दुरुस्त

मुख्यमंत्री ने आगामी जनसभा एवं रैली की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभा स्थल पर भूमि समतलीकरण, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पुलिस सुरक्षा, पेयजल, शौचालय और अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखा जाए ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जनसभा स्थल तक पहुंचने वाले सभी मार्गों पर यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुचारू रखी जाए तथा संपूर्ण क्षेत्र में सुरक्षा प्रबंध, स्वच्छता एवं प्रकाश की व्यवस्था उच्च स्तर की सुनिश्चित की जाए।

### 150 उड़ानें प्रतिदिन हो सकेंगी संचालित

जेवर एयरपोर्ट का लोकार्पण कराए जाने वाले हिस्से का क्षेत्रफल 3,300 एकड़ है, जबकि कुल 6,700 एकड़ भूमि का अब तक अधिग्रहण किया जा चुका है शेष 5,100 एकड़ भूमि अगले तीन माह में ली जाएगी। भूमि क्रय की लागत लगभग 5,000 करोड़ और एयरपोर्ट निर्माण की लागत 7,000 करोड़ है। उद्घाटन के समय एयरपोर्ट एक रनवे के साथ क्रियाशील होगा और इसकी वार्षिक यात्री क्षमता 1.2 करोड़ होगी। साथ ही, औसतन प्रतिदिन 150 उड़ानें यहां से संचालित होंगी। भविष्य में यात्रियों की संख्या 1 करोड़ से अधिक होने पर दूसरे रनवे का निर्माण शुरू हो जाएगा और दोनों रनवे मिलकर 7 करोड़ यात्रियों की सेवा करेंगे। जेवर एयरपोर्ट के पूर्ण स्वरूप में कुल 5 रनवे होंगे, इसका कुल क्षेत्रफल 11,750 एकड़ होगा और यह प्रतिवर्ष 30 करोड़ यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा।

### उप्र में 24 एयरपोर्ट्स, 16 संचालित

उत्तर प्रदेश में कुल 24 एयरपोर्ट्स हैं, जिनमें से 16 संचालित हो चुके हैं। वहीं जेवर एयरपोर्ट बनकर तैयार हो चुका है और अब इसका जल्द ही शुभारंभ होने वाला है। वहीं, 7 एयरपोर्ट्स निर्माणाधीन हैं। संचालित एयरपोर्ट्स में घरेलू स्तर पर आगरा, त्रिशूल (बरेली), गोरखपुर, हिंडन (गाजियाबाद), प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती, चित्रकूट और सहारनपुर शामिल हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और अयोध्या एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शुभारंभ होते ही उत्तर प्रदेश 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का इकलौता राज्य बन जाएगा। निर्माणाधीन एयरपोर्ट्स की बात करें तो सोनभद्र, ललितपुर, मेरठ, गाजीपुर, झांसी, अमेठी और पलिया में भी इस पर तेजी से कार्य चल रहा है जो भविष्य में प्रदेश के वायु संपर्क और पर्यटन को और मजबूत करेंगे।

## योगी सरकार में सिविल एविएशन की तीव्र प्रगति

उत्तर प्रदेश अब सिविल एविएशन के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो रहा है। वर्ष 2024-25 में करीब 1.5 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की, जिसमें 1.3 करोड़ घरेलू यात्री तो वहीं 13 लाख से ज्यादा इंटरनेशनल यात्री शामिल रहे। 2017 से 2025 के बीच यात्री संख्या में 10.1 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से वृद्धि हुई है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की शुरुआत से लगभग 1 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। वहीं, बेहतर एयर कनेक्टिविटी से प्रदेश में पर्यटन को भी नया आयाम मिला है, विशेषकर अयोध्या और वाराणसी जैसे धार्मिक स्थलों पर पर्यटक संख्या में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश में 50 करोड़ से अधिक पर्यटक आए, जिनमें 20 प्रतिशत हवाई मार्ग से पहुंचे। वहीं, एयर कार्गो सेवाओं के चलते वाराणसी और आगरा जैसे शहरों से निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जेवर एयरपोर्ट से NCR-UP बेल्ट में औद्योगिक विकास और रियल एस्टेट मूल्यों में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल मिलाकर, एविएशन सेक्टर अब राज्य की जीडीपी में 2-3 प्रतिशत तक योगदान दे रहा है, जबकि 2017 से पहले यह आंकड़ा 1त्न से भी कम था। उड़ान योजना से छोटे शहरों जैसे अलीगढ़ और आज़मगढ़ में व्यापार को बढ़ावा मिला है। आने वाले वर्षों में, 24 संचालित एयरपोर्ट्स के साथ उत्तर प्रदेश देश के कुल 3-3.5 अरब यात्री ट्रैफिक में 10-15प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अग्रसर है।

## जमीन देने वाले परिवारों की महिलाओं ने किया मुख्यमंत्री का स्वागत

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्रभावित परिवारों की महिलाओं के साथ मिलकर मुख्यमंत्री की अगवानी की।

इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि यह दृश्य केवल स्वागत का नहीं, बल्कि जनसहभागिता, महिला सशक्तिकरण और विकास के समावेशी दृष्टिकोण का प्रतीक रहा। जिन परिवारों की भूमि इस एयरपोर्ट में गई है, आज उन्हीं परिवारों की महिलाएं गर्व से प्रदेश के मुख्यमंत्री की आगवानी कर रही हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि जेवर की जनता अब विकास की भागीदार बन चुकी है, दर्शक नहीं।

आज का दिन जेवर की जनता को संतोष देने वाला है। कभी जिन परिवारों ने अपनी जमीनें प्रदेश और देश के उज्जवल भविष्य के लिए समर्पित की थीं, आज वही परिवार विकास के इस महायज्ञ में सशक्त भागीदार बन चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जेवर की धरती नई पहचान बना रही है और इसमें हमारी मातृशक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री की अगवानी श्रीमति अर्चना देवी, श्रीमति दीपिका, श्रीमति पुष्पलता, श्रीमति सिमरन भाटिया, श्रीमति अंजू देवी, श्रीमति इंदु बाला, श्रीमति अनीता देवी, श्रीमति मनिका सिंह, श्रीमति रीता सिंह, श्रीमति सुमन देवी, श्रीमति प्रियंका, श्रीमति रेखाराम, श्रीमति मुन्नी देवी पहाड़िया, श्रीमति दीप्ति शर्मा, श्रीमति सीमा देवी, श्रीमति अल्पना देवी आदि ने की।

## नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ ट्रायल ऑपरेशन

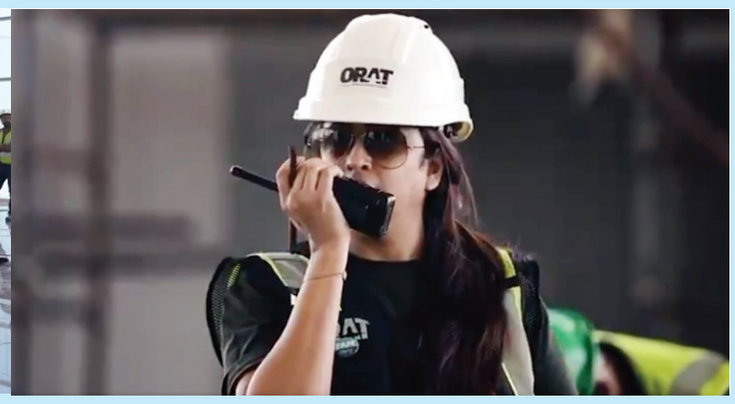


**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** ग्रेटर नोएडा के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ट्रायल ऑपरेशन किया गया। यहां टर्मिनल में बड़े स्तर पर ट्रायल किया गया। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्य में जुटे कर्मचारियों ने यात्री बनकर तैयारियों को परखा, एयरोब्रिज के जरिए विमान तक पहुंचने का अभ्यास किया। इसके साथ ही एयरपोर्ट के संचालन से पहले ORAT के तहत ट्रायल, यात्री सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं की जांच की गई। ट्रायल ऑपरेशन के दौरान एंट्री, चेक-इन, सुरक्षा जांच समेत हर प्रक्रिया का टेस्ट किया गया। इस दौरान वर्ल्ड क्लास सुविधाओं का अनुभव किया गया।

## केप टाउन में एओए के चुनाव के लिए नामांकन शुरू

**नोएडा (चेतना मंच)।** केप टाउन एओए के गठन के लिए चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गई। भारत जागरूक नागरिक संगठन के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने कहा कि केप टाउन में सालों पहले एओए कालातीत हो गई थी।

कोई चुनाव नहीं हो रहा था, सोसाइटी में विकास की प्रक्रिया ठप पड़ गई थी। सोसाइटी की समस्याओं का समाधान करने वाला कोई नहीं था। जब चुनाव की तारीख 16 नवंबर घोषित हुई तो केप टाउन के निवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

चुनाव अधिकारी ने निर्वाचन फॉर्म का शुल्क 5100 रुपये रखा, लोगों ने इसका विरोध किया। निर्वाचन अधिकारी के आश्वासन के बाद चुनाव में खर्च के बाद बचे पैसे को एओए के माध्यम से सभी उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा। उसके बाद निवासियों ने फॉर्म लेना शुरू किया।

चुनाव का अनुमानित व्यय 1.2 लाख रुपये है। पहले ही दिन लगभग 30 जागरूक निवासियों ने निर्वाचन

फॉर्म लिया। निर्वाचन फॉर्म कल तक मिलेगा। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर है। केप परिवार की तरफ से शैलेंद्र कुमार ने पर्चा भरा। उनके नाम का प्रस्ताव सीमा जी एवं राजीव सिन्हा ने किया। इस अवसर पर डी.के. श्रीवास्तव, श्याम शंकर, रमन मिश्रा, सुबोध कुमार, गगन जी, डी.के. सिंह, वीरेंद्र मौर्य, रंजीत कुमार, एकता अरोड़ा आदि बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे।

### नाबालिग से विवाह के आरोपी को मिली जमानत

**नोएडा।** अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की अदालत ने नाबालिग से विवाह और पॉक्सो एक्ट के आरोपी आरिफ को जमानत दी है। मामला थाना सेक्टर-39 नोएडा का है। जिसमें आरोपी पर नाबालिग को अपने साथ ले जाने पर पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि 11 जुलाई 2025 की रात शिकायतकर्ता की पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। 18 जुलाई को पीड़िता की सहेली ने बताया कि एक युवक उसे अपने साथ ले गया है। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। अदालत ने केस डायरी और उपलब्ध दस्तावेजों को देखने के बाद पाया कि रिकॉर्ड के अनुसार पीड़िता की जन्मतिथि 9 मार्च 2009 है। जिससे उसकी उम्र घटना के समय 16 वर्ष से अधिक सिद्ध होती है। पीड़िता ने अपने बयान में आरोपी से विवाह कर पति-पत्नी की तरह रहने की बात कही थी। लेकिन बाद में दिए गए बयान में उसने शारीरिक संबंध से इनकार किया। अदालत ने कहा कि कानूनन धारा 183 के तहत दिया गया बयान प्राथमिकता रखता है। अदालत ने माना कि पीड़िता की उम्र 16 वर्ष से अधिक है। उसके बयान में किसी प्रकार के शारीरिक संबंध का उल्लेख नहीं है। इसलिए मामले के गुण-दोष पर टिप्पणी किए बिना आरोपी को जमानत देना उचित होगा।